हिंदी डेली
आपकी बात- हमारे साथ

dailyhindihyd@gmail.com | E-paper-hindidailyweb.in | WhatsApp No- 9666641609

VOLUM NO : 15 ISSUE NO : 193 Sunday, 4 May 2025 रविवार, 4 मई 2025 HYDERABAD 8 PAGES RS.3. 00

'मानवता के लिए अभिशाप बना आतंकवाद', अंगोला के समकक्ष लॉरेंको के रात्रिभोज के दौरान राष्ट्रपति

नई दिल्ली(एजेंसी),

अंगोला के राष्ट्रपति जोआओ मैनुअल गोंकाल्वेस लॉरेंको भारत की अपनी पहली राजकीय यात्रा पर हैं। उनके लिए शनिवार रात को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने रात्रिभोज का आयोजन किया। इस दौरान राष्ट्रपति मुर्मू ने आतंकवाद को लेकर बात की। उन्होंने कहा कि आंतकवाद मानवता के लिए अभिशाप बना हुआ है, और इसकी हर रूप में निंदा की जानी चाहिए।

हिसार में शाह की सुरक्षा में चूक, गृह मंत्रालय सख्त

हरियाणा सरकार ने जस्टिस भल्ला की अगुआई में जांच कमेटी बनाई

हिसार (एजेंसी)। हिसार में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की सुरक्षा चूक को लेकर हरियाणा सरकार ने हाई लेवल जांच कमेटी बना दी है। इस कमेटी की अगुआई रिटायर्ड जस्टिस एचएस भल्ला करेंगे। इसके अलावा प्रदेश के अतिरिक्त मुख्य सचिव विजयेंद्र कुमार और

कानून व्यवस्था संजय कुमार को सदस्य बनाया गया है। यह जांच कमेटी 31 मार्च को हिसार के अग्रोहा में शाह की सुरक्षा चूक की जांच कर जिम्मेदारी तय करेगी। ऐसी सूरत में पुलिस के बड़े अफसरों पर गाज गिर सकती है। इससे पहले पुलिस एक एक इंस्पेक्टर को नोटिस देकर जवाबतलबी कर चुकी है।

संभल के 'सिंघम' को योगी सरकार का लगा झटका

सीओ अनुज चौधरी का ट्रांसफर विवादित बयान बने वजह

संभल (एजेंसी)। उत्तरप्रदेश के संभल में पुलिस महकमे में हुए ट्रांसफर की खबर एक बार से सुर्खियों में आ गई। संभल के सिंघम के नाम से मशहूर सीओ अनुज चौधरी का तबादला हो गया है। बीते करीब पांच-छह महीने से अनुज लगातार चर्चा में रहे। संभल में जामा मस्जिद सर्वे के दौरान भड़की हिंसा से लेकर इस बार

की होली तक उनकी बातें और ऐक्शन लगातार छाया रहा। हालांकि उनके बयानों को लेकर प्रशासनिक जांच भी चल रही है। अब वह चंदौसी सीओ की जिम्मेदारी संभालेंगे। एक नजर डालते हैं उनके चर्चित बयानों पर, जो विवाद के केंद्र में आए। गौरतलब है कि सीओ अनुज चौधरी ने हिंसा के बाद एक निजी चैनल के पत्रकार से बातचीत करते हुए बयान दिया कि हम लोग मरने के लिए पुलिस में भर्ती नहीं हुए हैं। हमारे भी बीबी बच्चे हैं। कोई हमला करेगा और हम आत्मरक्षा नहीं करेंगे क्या।

खौफ में हर हथियार चलाकर देख रहा पाकिस्तान

अब 450 किमी रेंज वाली अब्दाली मिसाइल का परीक्षण

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पहलगाम में आतंकी हमले के बाद भारत के आक्रामक रुख को देखते हुए पाकिस्तान बुरी तरह घबरा गया है। खाड़ी देशों के सामने मिन्नतें करने के बाद अब वह हथियारों पर हाथ-पांव मारने लगा है। वह एक-एक कर अपने हथियारों को चलाकर देख रहा है। शनिवार को पाकिस्तान की सेना ने आनन-फानन में अब्दाली मिसाइल का टेस्ट कर डाला। भारत के सख्त रुख को देखते हुए

पाकिस्तान गीदड़भभकी वाला माहौल बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ रहा है। पाकिस्तान की सेना ने बयान जारी कर बताया कि शनिवार को सरफेस टु सरफेस मिसाइल अब्दाली वेपन सिस्टम का परीक्षण किया गया है। इसकी रेंज 450 किलोमीटर की है। पाक सेना ने कहा, सेना की तैयारी लेकर मिसाइल का टेस्ट किया गया है। यह मिसाइल तकनीक से लैस है।

हम आतंकवाद और उसका समर्थन करने वालों के खिलाफ लेंगे ठोस ऐक्शन

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बोले-भारत आतंकवाद के खिलाफ सख्त कार्रवाई करेगा
- अंगोला ने आतंकवाद के खिलाफ भारत का किया समर्थन, आंध्र सीएम भी थे साथ

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कहा कि आतंकवाद और उसका समर्थन करने वालों के खिलाफ दृढ़ और निर्णायक कार्रवाई करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ हमारी लड़ाई में अंगोला के समर्थन के लिए उनका आभार व्यक्त करते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने हैदराबाद हाउस में अंगोला के राष्ट्रपति लौरेंको के साथ द्विपक्षीय बैठक के बाद यह बात कही। पीएम मोदी ने कहा कि,हम इस बात पर एकमत हैं कि आतंकवाद मानवता के लिए सबसे बड़ा खतरा है। मैं पहलगाम में आतंकवादी हमले में मारे गए

लोगों के प्रति संवेदना जताने के लिए भारत राष्ट्रपति लौरेंको और अंगोला को धन्यवाद देता हूं। इससे पहले, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से कहा कि राज्य के सभी पांच करोड़ लोग आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में उनके साथ हैं। शुक्रवार को मुख्यमंत्री ने अमरावती के निर्माण कार्यों की फिर से शुरुआत किये जाने के दौरान यह बात कही। नायडू ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा,हम वचन देते हैं कि हम आतंकवाद पर नकेल कसने के लिए प्रधानमंत्री मोदी के साथ हैं।

गोवा के शिरगांव में भगदड़ से 7 की मौत

- 50 से ज्यादा घायल, बिजली तार गिरने से हादसा
- एक-दूसरे पर गिरे लोग, 20 लोगों की हालत गंभीर

शिरगांव (एजेंसी)। गोवा के शिरगांव में श्री लैराई जात्रा (यात्रा) के दौरान शुक्रवार रात मची भगदड़ में 7 लोगों की मौत हो गई। जानकारी शनिवार सुबह आई है। हादसे में 50 से ज्यादा लोग घायल हैं, जिनमें 20 गंभीर हैं। राहत-बचाव कार्य जारी है। मृतकों की संख्या बढ़ सकती है। शुक्रवार शाम को बड़ी संख्या में श्रद्धालु जात्रा में शामिल होने मंदिर की ओर जा रहे थे। इसी दौरान एक दुकान के सामने

बिजली के तार से करंट लगने के बाद कुछ लोग गिर गए। तभी अफरा-तफरी हुई और भगदड़ मच गई। क्राउड मैनेजमेंट के पर्याप्त इंतजाम नहीं होने की वजह से हादसा हुआ। मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने घटना की जांच के आदेश दे दिए हैं। श्री लैराई जात्रा नॉर्थ गोवा के बिचोलिम तालुका के शिरगांव गांव में आयोजित होने वाला हिंदू धार्मिक उत्सव है। जात्रा हर साल अप्रैल या मई में होती है। इसमें गोवा, महाराष्ट्र, और कर्नाटक से हजारों श्रद्धालु आते हैं। जात्रा 2 मई की शाम से 3 मई की सुबह तक आयोजित की गई थी। इसी दौरान हादसा हुआ। पुलिस के मुताबिक-महाराष्ट्र, कर्नाटक सहित कई राज्यों के 30 से 40 हजार लोग यात्रा में शामिल होने पहुंचे थे। शुक्रवार शाम भीड़ मंदिर की ओर जा रही थी, तभी एक ढलान पर कुछ लोग गिर पड़े। इसके बाद पीछे से आ रहे लोग भी एक-दूसरे पर गिरते चले गए। 40 से 50 लोग इस दौरान नीचे गिर गए। इसके बाद अफरा-तफरी मच गई।

पीएम मोदी ने हादसे को लेकर सीएम सावंत से की बात

सीएम प्रमोद सावंत ने एक्स पर लिखा- शिरगांव के लैराई जात्रा में हुई भगदड़ से दुखी हूं। मैंने नॉर्थ गोवा डिस्ट्रिक्ट हॉस्पिटल पहुंचकर घायलों का हाल जाना। लगातार स्थिति की निगरानी कर रहा हूं और प्रभावित परिवारों को हर संभव सहायता दी जा रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी फोन कर स्थिति की जानकारी ली और हर संभव मदद का आश्वासन दिया। सावंत ने कहा- गोवा में पहली बार ऐसा मामला सामने आया है। मैं मौके पर पहुंचा हूं और घायलों से अलग-अलग अस्पतालों में जाकर मिला हूं।

मणिपुर हिंसा के दो साल, हाई अलर्ट

- मैतेई-कुकी संगठनों ने अपने-अपने क्षेत्रों में बंद बुलाया
- 3 जिलों में कड़ी है सुरक्षा,10 हजार और जवान तैनात

इम्फाल (एजेंसी)। मणिपुर हिंसा को 3 मई को दो साल हो गए हैं। इस दौरान 250 से ज्यादा मौतें हुईं। 50 हजार लोग आज भी विस्थापित हैं। जो 6 हजार एफआईआर दर्ज हुईं, उनमें करीब 2500 में कार्रवाई आगे नहीं बढ़ी। जो गंभीर अपराध हैं, उन पर सीबीआई या राज्य शासन कोई अपडेट नहीं दे रहा है। शनिवार को मैतेई संगठन कोऑर्डिनेटिंग कमेटी ऑन मणिपुर इंटीग्रिटी ने लोगों ने सभी गतिविधियां बंद रखने और अपने कन्वेंशन में शामिल होने के लिए कहा था। वहीं, कुकी स्टूडेंट्स ऑर्गनाइजेशन और जोमी स्टूडेंट्स फेडरेशन ने भी कुकी आबादी वाले इलाकों में बंद बुलाया। मणिपुर में

लगभग सभी जगह आज बाजार, दुकानें और स्कूल-कॉलेज बंद रहे और सड़कों पर सन्नाटा पसरा रहा। कुकी समुदाय आज के दिन को डे ऑफ आइसोलेशन के रूप में मना रहा था।

13 फरवरी से राष्ट्रपति शासन, नई सरकार की मांग तेज- मणिपुर में 13 फरवरी से राष्ट्रपति शासन है, लेकिन मौजूदा विधानसभा भंग नहीं हुई है। सिर्फ निलंबित है। इसलिए कई नागरिक संगठन इसके विरोध में उतर आए हैं। सियासी ताकत पूर्व सीएम एन. वीरेन सिंह के हाथ में है, क्योंकि यहां भाजपा बिखरी हुई है। चार-पांच दिन पहले ही 21 विधायकों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र भेजकर राज्य में तत्काल लोकप्रिय सरकार बनाने की मांग की थी। पत्र पर भाजपा के 14 विधायकों ने साइन किए हैं। मणिपुर हिंसा के दो साल बाद हालात ये हैं कि स्कूल, अस्पताल, सरकारी दफ्तर और बाजार सामान्य स्थिति की ओर लौट गए हैं। मैतेई बहुल इलाकों से बाजार का सामान कुकी वाले इलाकों में जा रहा है। मगर राज्य दो हिस्सों में बंट गया है। एक तरफ मैतेई हैं और दूसरी ओर कुकी। इनमें भी कुकी वाले इलाके ज्यादा संवेदनशील हैं, इस वजह से 50 हजार में से 30 हजार सुरक्षाबल यहीं हैं।

अब न पाकिस्तान से सेंधा नमक आएगा, न भारत से दवाइयां जाएंगी

- भारत सरकार का एक और झटका, आयात-निर्यात पर लगाया प्रतिबंध

नई दिल्ली (एजेंसी)। कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद से भारत और पाकिस्तान के बीच रिश्तों में और दूरी आ गई है। अब भारत ने पाकिस्तान से आने वाले या पाकिस्तान को जाने वाले सभी सामानों पर तुरंत रोक लगा दी है। यह रोक सीधे तौर पर या किसी और तरीके से आने-जाने वाले सभी सामानों पर लागू होगी। इससे दोनों देशों के बीच व्यापार लगभग बंद हो गया है। दोनों देशों के बीच व्यापार बहुत ज्यादा नहीं है। साल 2019 में हुए पुलवामा हमले के बाद इसमें और कमी आई थी। दोनों देशों ने एक-दूसरे के साथ व्यापार को लेकर कई बैन लगाए लेकिन कुछ आवश्यक वस्तुओं का लेन-देन दोनों देशों के बीच होता रहता है। यह ज्यादातर तीसरे देशों जैसे दुबई या सिंगापुर के रास्ते होता है।

कर्नाटक में बजरंग दल नेता की हत्या के बाद भारी तनाव

- 8 की गिरफ्तारी, मंगलुरु सिटी में 6 मई तक कर्फ्यू

सरकार हुई ऐक्टिव, एंटी कम्युनल टास्कफोर्स बनेगी

मंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक के मंगलुरु में बजरंग दल का नेता और 2022 के फाजिल हत्याकांड के मुख्य आरोपी सुहास शेट्टी की बुधवार रात करीब 8.30 बजे हत्या कर दी गई। इसके बाद से इलाके में तनाव की स्थिति बनी हुई है। प्रशासन ने 2 मई से लेकर 6 मई तक पूरे शहर में कर्फ्यू लागू कर दिया है। राज्य के गृह मंत्री डॉ. जी परमेश्वर ने बताया कि मामले की जांच जल्द ही एंटी कम्युनल टास्क फोर्स करेगी। पुलिस भड़काऊ बयान देने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करेगी। कोई कितना भी शक्तिशाली व्यक्ति क्यों न हो, पुलिस ऐक्शन लेगी। चाहे वे राजनीतिक नेता ही क्यों न हो। पुलिस ने अब तक 8 लोगों को हिरासत में लिया है। इनमें अब्दुल सफवान, नियाज, मोहम्मद मुजम्मिल, खालंदर शफी, आदिल मेहरूफ, नागराज, रंजीत और रिजवान शामिल हैं।

सुहास शेट्टी - मृतक

हिमाचल की संजौली मस्जिद को गिराने के आदेश

- शिमला कमिश्नर ने इसे अवैध करार दिया, वक्फ बोर्ड जमीन के दस्तावेज नहीं दे पाया

शिमला (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश में विवादित संजौली मस्जिद को शिमला नगर निगम आयुक्त ने पूरी तरह तोड़ने के आदेश दे दिए हैं। शनिवार को निगम आयुक्त भूपेंद्र अत्री ने मस्जिद को गैर कानूनी बताते हुए निचली 2 मंजिल भी हटाने को कह दिया है। यह फैसला तब आया है जब वक्फ बोर्ड निगम की अदालत में मस्जिद की जमीन पर मालिकाना हक के कागज ही पेश नहीं कर पाया। यही नहीं, मस्जिद का नक्शा और किसी भी तरह की एनओसी भी मस्जिद कमेटी के पास नहीं है। जबकि, वक्फ बोर्ड लंबे समय तक जमीन पर मालिकाना हक के दावे करता रहा। हालांकि, मुस्लिम पक्ष का इस मामले में कहना है कि ऑर्डर को पूरी तरह पढ़ने और समझने के बाद ही आगे की रणनीति बनाई जाएगी। मस्जिद कमेटी के अध्यक्ष मोहम्मद लतीफ का कहना है कि अभी आदेश की कॉपी उनके पास नहीं पहुंची है। मस्जिद के ऊपर की 3 मंजिल को तोड़ने के आदेश निगम आयुक्त बीते साल 5 अक्टूबर को दे चुके हैं। इसके बाद से ही मस्जिद को तोड़ने का काम चल रहा था। ताजा आदेश के बाद अब संजौली में रिहायशी इलाके में बनी मस्जिद को पूरी तरह हटाना होगा। मस्जिद को तोड़ने का काम वक्फ बोर्ड और संजौली मस्जिद कमेटी को खुद करना होगा।

15 साल से चल रहा था संजौली का केस- निगम आयुक्त कोर्ट में यह केस 15 साल से चल रहा था। अब तक इस मामले में 50 से भी ज्यादा बार सुनवाई हो चुकी थीं। हिमाचल हाईकोर्ट के आदेशों पर निगम ने इस केस में आज फाइनल फैसला सुना दिया है। संजौली मस्जिद के आसपास के लोकल रेजिडेंट ने निगम कोर्ट में चल रहे इस केस को जल्दी निपटाने के लिए बीते साल हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। इस याचिका पर बीते साल 21 अक्टूबर को हाईकोर्ट ने निगम आयुक्त को 8 सप्ताह में केस निपटाने के आदेश दिए, लेकिन इस अवधि में केस नहीं निपटाया जा सका। इसके बाद लोकल रेजिडेंट ने एक्जीक्यूशन पिटिशन दायर की। इस पिटिशन पर हाईकोर्ट ने 8 मई तक फैसला सुनाने के निगम आयुक्त को आदेश दिए। आज निगम आयुक्त कोर्ट ने फाइनल फैसला सुना दिया है। अब यह मस्जिद पूरी तरह हटानी होगी।

मानसून सत्र में पेश हो सकता है जातीय जनगणना बिल, तैयारी

- 2026 से जनगणना, परिसीमन, महिला आरक्षण की कवायद होगी शुरू
- प्रशासनिक सीमाएं बदलने की छूट अब आगे 31 दिसंबर तक बढ़ेगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में जनगणना, जातियों की गिनती, परिसीमन और संसद में महिला आरक्षण की कवायद एक साथ शुरू होगी, क्योंकि इनकी टाइमलाइन एक साथ आ गई हैं। जनगणना और जातीय गणना 2026 से शुरू होगी। क्योंकि 2001 में लोकसभा सीटों की संख्या 2026 तक फ्रीज की गई थी। परिसीमन की कवायद भी 2026 से होगी। क्योंकि 2021 में जनगणना समय पर होती तो परिसीमन 2031 की जनगणना के आधार पर होता। प्रशासनिक सीमाएं बदलने की छूट 31 दिसंबर 25 तक बढ़ेगी, यह पहले 1 जून 2025 थी। वहीं, महिला आरक्षण का अधिनियम 20 सितंबर 2023 में पारित हुआ था। इसमें यह व्यवस्था की गई कि इस अधिनियम के पारित होने के बाद आगामी परिसीमन और जनगणना के आंकड़ों के आधार पर महिलाओं के लिए लोकसभा और विधानसभाओं में सीटें आरक्षित होंगी। जनगणना प्रश्नावली, सॉफ्टवेयर और तकनीकी उपकरण तैयार करने में 1-2 साल लगते हैं। इसके बाद फील्ड वर्क शुरू होता है, जो 2-3 महीने

चलता है। फिर डेटा सत्यापन और प्रकाशन में 1-2 साल लगते हैं यानी 3-4 साल लगते रहे हैं। परिसीमन आयोग गठन में 1-2 महीने लगते हैं। डेटा संग्रह व विश्लेषण में 6-12 महीने खर्च होते हैं।

पहली शर्त-

1 जनवरी 26 से भौगोलिक प्रशासनिक सीमाएं फ्रीज होंगी, जो 30 जून25 तक फ्रीज के दायरे से बाहर हैं। प्रशासनिक सीमाएं बदलने की छूट 31 दिसंबर 25 तक बढ़ेगी। दूसरी शर्त- जातीय गिनती के लिए जनगणना अधिनियम 1948 में संशोधन करना होगा। इसके लिए संशोधन विधेयक तैयार करने की कवायद कैबिनेट के फैसले के तुरंत बाद शुरू हो गई। इससे जुड़ा विधेयक मानसून सत्र में पारित हो जाएगा। देश में आखिरी जनगणना 2011 में हुई थी। 2021 की जनगणना कोविड-19 महामारी के कारण टाल दी गई थी। आखिरी बार पूर्ण जातीय जनगणना 1931 में ब्रिटिश शासन में हुई थी। 2011 में हुई लेकिन सार्वजनिक नहीं हुई।

'दीघा' मंदिर को लेकर ओडिसा और वेस्ट बंगाल सरकार में ठनी

- नवकलेवर अनुष्ठान की लकड़ी दीघा मंदिर को देने का है आरोप

ओडिशा सरकार ने पुरी मंदिर से जांच को कहा, मंत्री भी विरोध में

भुवनेश्वर (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल सरकार के दीघा मंदिर विवाद के बीच ओडिशा के कानून मंत्री पृथ्वीराज हरिचंदन ने शुक्रवार को श्री जगन्नाथ मंदिर प्रशासन से मामले की जांच करने को कहा। मीडिया रिपोर्ट्स में सामने आया था कि पुरी जगन्नाथ मंदिर के सेवक दीघा मंदिर के समारोह शामिल हुए थे। उन्होंने मूर्तियां बनाने के लिए मंदिर को 2015 के नवकलेवर से बची नीम की लकड़ी दी। नवकलेवर हर 12 या 19 साल में होने वाला अनुष्ठान है। इसमें पुरी के मंदिर में भगवान बलभद्र, देवी सुभद्रा और भगवान जगन्नाथ की लकड़ी की मूर्तियां बदली जाती हैं। इसके अलावा पुजारियों, भक्तों, विद्वानों और पंडितों ने दीघा मंदिर को पश्चिम बंगाल सरकार के 'जगन्नाथ धाम' कहे जाने पर भी आपत्ति जताई है। मंत्री ने अपनी चिट्ठी में लिखा, इस घटना ने श्रद्धालुओं और ओडिशा के 4.5 करोड़ लोगों की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाई है। दीघा मंदिर के लिए मूर्तियां पुरी से गईं

दीघा मंदिर को लकड़ी देने का आरोप सेवकों के एक समूह दैतापति निजोग के सचिव रामकृष्ण दासमोहपात्रा पर लगा है। पुरी में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में दास मोहपात्रा ने कहा, मैंने कभी नहीं कहा कि पुरी मंदिर की लकड़ी का इस्तेमाल दीघा में किया गया।

संपादकीय

अब शब्द नहीं, सर्जिकल जवाब चाहिए

इसमें कोई दोराय नहीं कि जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर हुए बर्बर आतंकी हमले के बाद भारत की ओर से कई मोर्चों पर ठोस कार्रवाई की घोषणाएं हुईं। लेकिन इस तरह के कड़े संदेश देने के संकेतों के बावजूद इस दिशा में कोई स्पष्टता नहीं दिख रही है। पहलगाम में आतंकियों की अंधाधुंध गोलीबारी में छब्बीस लोगों की मौत के जैसे ब्योरे सामने आए, उससे स्वाभाविक ही समूचे देश में व्यापक स्तर पर क्षोभ और गुस्से का वातावरण बना हुआ है, लोग बेहद सदमे में हैं।

हालांकि सरकार ने तीनों सेनाध्यक्षों के साथ बैठक कर और उन्हें खुली छूट देने की बात करके सभी तरफ यह संदेश देने की कोशिश की है कि इस बार वह आतंकवादियों को किसी भी कीमत पर नहीं छोड़ेगी। मगर देश भर में लोगों की यह अपेक्षा और मांग है कि सरकार उच्चस्तरीय बैठकें करने के समांतर आतंकियों के साथ-साथ उन्हें संचालित करने वाली शक्तियों के खिलाफ सख्त कदम उठाने की घोषणाओं से आगे बढ़ कर बिल्कुल स्पष्ट कदम उठाती दिखे। इस लिहाज से देखें तो सरकार आतंकियों को लक्षित करते हुए और पाकिस्तान को भी जिम्मेदार ठहराते हुए जो कार्रवाई कर रही है, उससे निश्चित रूप से एक संदेश जा रहा है, लेकिन पहलगाम हमले की प्रकृति को देखते हुए इस मसले पर एक व्यापक स्पष्टता वक्त का तकाजा है। यों इतने बड़े हमले के बावजूद दूतावास में कर्मचारियों की संख्या में कटौती, पाकिस्तानी नागरिकों के लिए वीजा पर पाबंदी, सिंधु जल संधि के क्रियान्वयन को निलंबित करने और अब भारतीय वायुक्षेत्र से पाकिस्तानी विमानों की उड़ान पर पाबंदी जैसे कदम उठाने के बावजूद भारत ने आमतौर पर धैर्य का ही परिचय दिया है। हैरानी की बात यह है कि

खुद को कठघरे में देखने के बाद पाकिस्तान अपनी जिम्मेदारी स्वीकार करने के बजाय उल्टे सीमा पर बिना किसी वजह बार-बार संघर्ष विराम का उल्लंघन और नाहक ही छिटपुट गोलीबारी कर रहा है। यह एक तरह से भारत को उकसाने की कार्रवाई है। हालांकि इसके बाद भी भारत अभी कोई सीधी कार्रवाई करने को लेकर सावधानी बरत रहा है। सवाल है कि आखिर पाकिस्तान को सीमा पर इस तरह की हरकत करने की जरूरत क्यों महसूस हो रही है। क्या यह अपने ऊपर लगने वाले आरोपों के बाद बचाव के लिए आक्रामकता का प्रदर्शन नहीं है, ताकि दुनिया का ध्यान आतंकवाद को पालने में उसकी असली भूमिका से भटक सके? यह जगजाहिर हकीकत है कि कई आतंकवादी संगठन भारत में अपनी गतिविधियां संचालित करने के लिए पाकिस्तान स्थित ठिकानों का इस्तेमाल करते हैं। वहां उन्हें आतंक फैलाने की गतिविधियों के प्रशिक्षण से लेकर हथियारों और अन्य संसाधनों की सुविधा मुहैया कराई जाती है। जब भी भारत की ओर से पाकिस्तान की इस भूमिका पर सवाल उठाए जाते हैं, तब पाकिस्तान बिना किसी हिचक के इससे इनकार कर देता है। जबकि कई वर्ष पहले चीन में हुए ब्रिक्स सम्मेलन के घोषणा-पत्र में भी लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद जैसे संगठनों के पाकिस्तानी सीमा के भीतर स्थित ठिकानों से अपनी गतिविधियां संचालित करने को लेकर तमाम सवाल उठाए जा चुके हैं। मगर पाकिस्तान के रवैये में कोई फर्क नहीं आया। अब पहलगाम में आतंकी हमले के बाद भारत सरकार पर यह जिम्मेदारी है कि वह आतंकी हमलों का हिसाब लेने और पाकिस्तान को स्पष्ट संदेश देने वाले कुछ ठोस कदम उठाए।

गुड़िया के साथ मारी गई मासूमियत, गाजा में बच्चों की चीखें किससे मांगें जवाब?

मानवीयता के सारे तकाजों को ताक पर रख कर इजराइल जिस तरह गाजा पट्टी को निशाना बना रहा है, उसमें बड़ी संख्या में ऐसे बेकसूर नागरिक मारे जा रहे हैं, जिनका हमास से कोई लेना देना नहीं है। वे सुरक्षित जगह की तलाश में दिन-रात भटक रहे हैं। ऐसे में सबसे अधिक दुर्दशा बच्चों की हुई है। वे न तो स्कूल जा पा रहे हैं और न सुकून से सो पा रहे हैं। युद्ध से मिले आघातों से उनका जीवन बदहाल हो चुका है। कई बच्चे अनाथ हो चुके हैं। हजारों बच्चे इस समय कुपोषण के शिकार हैं। गाजा की गलियों में दम तोड़ते बच्चों को देख कर किसी की भी आंखें नम हो सकती हैं। दीर अल-बला शहर के पास इजराइल के ताजा हमले में फिर कई बच्चे मारे गए हैं। इनमें सड़क किनारे अपनी गुड़िया के साथ खेल रही एक मासूम बच्ची भी थी, जिसकी मौत ने कई सवाल खड़े किए हैं। गौरतलब है कि गाजा पर फिर से शुरू हुए इजराइली हमले में सिर्फ पिछले एक महीने के दौरान आठ सौ नौ बच्चों की जान चली गई। मध्य गाजा के जावैदा शहर में शांति बहाल होने के साथ जब नागरिक अपनी दिनचर्या में लौट रहे थे, तब ऐसे समय में नागरिक ठिकानों पर इजराइल के हमले को न केवल अनैतिक, बल्कि युद्ध अपराध भी माना जाना चाहिए। आखिर इस तरह बेलगाम हमले का क्या औचित्य था? यह सोचने की जरूरत है कि गेंद और गुड़िया के साथ सड़क पर खेल रही चार साल की कोई बच्ची कैसे किसी देश का दुश्मन हो सकती है? अपनी घायल बहन को लेकर अस्पताल पहुंचे भाई का यह सवाल किसी को भी कचोट सकता है कि वह क्या कर सकती थी? वह तो पत्थर भी नहीं उठा सकती थी! दरअसल, युद्ध एक ऐसा उन्माद है जिसमें हमलावर देश यह नहीं देखता कि किसकी मौत हो रही है। इजराइल और हमास के बीच करीब डेढ़ साल से चल रहे युद्ध में बावन हजार फिलस्तीनी मारे जा चुके हैं। इनमें अधिकतर महिलाएं और बच्चे हैं। इस युद्ध में कितने बच्चे बचेंगे, किसी को नहीं मालूम। मगर यह तय है कि गाजा में उनकी खिलखिलाहट वर्षों सुनाई नहीं देगी। निर्दोष नागरिक और उनके बच्चे न मारे जाएं, इसकी जिम्मेदारी इजराइल पर है, लेकिन क्या वह अपनी इस भूमिका को समझ पा रहा है?

आज का कार्टून

भारत में बढ़ता विदेशी मुद्रा भंडार...

भारतीय रुपए के मजबूत होने के चलते भारतीय शेयर (पूंजी) बाजार में विदेशी संस्थागत निवेशक एक बार पुनः अपना निवेश बढ़ाने लगे हैं एवं पिछले लगातार 8 दिनों से इन विदेशी संस्थागत निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार में शेयरों की भारी मात्रा में खरीद की है। जबकि, सितम्बर 2024 के बाद से विदेशी संस्थागत निवेशक भारतीय शेयर बाजार से लगातार अपना निवेश निकाल रहे थे और इस बीच विदेशी संस्थागत निवेशकों ने लगभग 3 लाख करोड़ रुपए के शेयरों की बिक्री भारतीय शेयर बाजार में की है। जिसके चलते भारतीय शेयर बाजार के निफ्टी इंडेक्स में लगभग 3500 अंकों की भारी गिरावट दर्ज हुई थी। परंतु, भारतीय संस्थागत निवेशकों, भारतीय म्यूचअल फण्ड एवं खुदरा निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार में अपना निवेश बढ़ाकर भारतीय पूंजी बाजार को सम्हालने में मदद की है अन्यथा भारतीय शेयर बाजार क्रेश हो गया होता। परंतु, अब भारतीय शेयर बाजार में सुधार होता हुआ दिखाई दे रहा है एवं अब एक बार पुनः यह आगे बढ़ता हुआ दिखाई दे रहा है। हाल ही के समय में निफ्टी इंडेक्स में लगभग 1500 अंकों की वृद्धि दर्ज हुई है।

प्रह्लाद सबनानी

दिनांक 7 फरवरी 2025 को अंतरराष्ट्रीय बाजार में अमेरिकी डॉलर की तुलना में भारतीय रुपए की कीमत सबसे निचले स्तर अर्थात 87.44 रुपए प्रति अमेरिकी डॉलर पर पहुंच गई थी। इसके बाद धीरे धीरे इसमें सुधार होता हुआ दिखाई दिया है एवं अब दिनांक 30 अप्रैल 2025 को यह 84.50 रुपए प्रति डॉलर के स्तर पर पहुंच गई है। वहीं दिनांक 18 अप्रेल 2025 को भारत का विदेशी मुद्रा भंडार भी तेज गति से आगे बढ़ता हुआ 68,610 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुंच गया है और यह दिनांक 27 सितम्बर 2024 के उच्चतम स्तर 70,489 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर के बहुत करीब है। भारतीय रुपए की मजबूती एवं विदेशी मुद्रा भंडार में वृद्धि ऐसे समय में हो रही है जब विश्व के समस्त देश अमेरिकी प्रशासन के टैरिफ युद्ध का सामना करते हुए संकट में दिखाई दे रहे हैं। परंतु, भारत पर टैरिफ युद्ध का असर लगभग नहीं के बराबर दिखाई दे रहा है। यह भी सही है कि हाल ही के समय में अंतरराष्ट्रीय बाजार में अमेरिकी डॉलर पर दबाव बढ़ा है और अमेरिकी डॉलर इंडेक्स लगभग 109 के स्तर से नीचे गिरकर दिनांक 30 अप्रेल 2025 को 99.43 के स्तर पर आ गया है। शायद अमेरिका भी अंतरराष्ट्रीय बाजार में अमेरिकी डॉलर की मजबूती को कम करना चाहता है ताकि अमेरिका में आयात महंगे हों एवं अमेरकी निर्यातकों को अधिक लाभ पहुंचे। परंतु, अंतरराष्ट्रीय बाजार में अमेरिकी डॉलर पर दबाव के बढ़ने से सोने की कीमतों में अतुलनीय वृद्धि दर्ज हुई है और यह दिनांक 22 अप्रैल 2025 को अपने उच्चतम स्तर 3500 अमेरिकी डॉलर प्रति आउन्स पर पहुंच गई थी। साथ ही, अमेरिकी शेयर बाजार भी धराशायी हुआ है और डाउ जोंस एवं अन्य इंडेक्स में भारी गिरावट दर्ज हुई है। अब ऐसा आभास हो रहा है कि ट्रम्प प्रशासन द्वारा विभिन्न देशों के विरुद्ध छेड़े गए टैरिफ युद्ध का विपरीत असर अमेरिकी अर्थव्यवस्था पर होता हुआ दिखाई दे रहा है।

भारतीय रुपए के मजबूत होने के चलते भारतीय शेयर (पूंजी) बाजार में विदेशी संस्थागत निवेशक एक बार पुनः अपना निवेश बढ़ाने लगे हैं एवं पिछले लगातार 8 दिनों से इन विदेशी संस्थागत निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार में शेयरों की भारी मात्रा में खरीद की है। जबकि, सितम्बर 2024 के बाद से विदेशी संस्थागत निवेशक भारतीय शेयर बाजार से लगातार अपना निवेश निकाल रहे थे और इस बीच विदेशी संस्थागत निवेशकों ने लगभग 3 लाख करोड़ रुपए के शेयरों की बिक्री भारतीय शेयर बाजार में की है। जिसके चलते भारतीय शेयर बाजार के निफ्टी इंडेक्स में लगभग 3500 अंकों की भारी गिरावट दर्ज हुई थी। परंतु, भारतीय संस्थागत निवेशकों, भारतीय म्यूचअल फण्ड एवं खुदरा निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार में अपना निवेश बढ़ाकर भारतीय पूंजी बाजार को सम्हालने में मदद की है अन्यथा भारतीय शेयर बाजार क्रेश हो गया होता। परंतु, अब भारतीय शेयर बाजार में सुधार होता हुआ दिखाई दे रहा है एवं अब एक बार पुनः यह आगे बढ़ता हुआ दिखाई दे रहा है। हाल ही के समय में निफ्टी इंडेक्स में लगभग 1500 अंकों की वृद्धि दर्ज हुई है।

वित्तीय वर्ष 2024-25 में भारत के विदेशी व्यापार

में लगभग 6 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है। विभिन्न देशों को भारत से निर्यात 5.50 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करते हुए 82,093 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुंच गए हैं वहीं अन्य देशों से भारत में होने वाले आयात 6.85 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 91,519 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुंच गए हैं। निर्यात की तुलना में आयात में वृद्धि दर अधिक रही है जिसके चलते भारत का व्यापार घाटा बढ़कर 9,426 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुंच गया है। व्यापार घाटे के बढ़ने के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारतीय रुपए पर दबाव बढ़ा और रुपया कमजोर हुआ। भारत में कच्चे तेल एवं स्वर्ण का आयात भारी मात्रा में होता है। मुख्य रूप से इन्हीं दो मदों की कीमतें भी अंतरराष्ट्रीय बाजार में बढ़ीं थी, जिसका प्रभाव भारत में अधिक आयात के रूप में दिखाई दिया है। परंतु, अब हर्ष की बात है कि कच्चे तेल की कीमतें अंतरराष्ट्रीय बाजार में 75 अमेरिकी डॉलर प्रति बेरल से घटकर लगभग 65 अमेरिकी डॉलर प्रति बेरल पर नीचे आ गई है और स्वर्ण के महंगे होने के चलते स्वर्ण का आयात भी कुछ कम हुआ है। उक्त दोनों घटनाओं के परिणाम स्वरूप अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारतीय रुपए पर दबाव कुछ कम होता हुआ दिखाई दे रहा है।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विशेष रूप से आर्थिक क्षेत्र में भले स्थितियां ठीक नहीं दिखाई दे रहीं है, परंतु भारत में आंतरिक मजबूती के चलते भारतीय अर्थव्यवस्था अभी भी विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच सबसे तेज गति से आगे बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था बनी हुई है। भारतीय रिजर्व बैंक, विश्व बैंक, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष, एशियाई विकास बैंक, स्टैंडर्ड एवं पूअर आदि अंतरराष्ट्रीय रेटिंग संस्थानों ने भी वित्तीय वर्ष 2025-26 में, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आर्थिक क्षेत्र में विकसित हो रही विपरीत परिस्थितियों के बीच भी, भारतीय अर्थव्यवस्था के 6 प्रतिशत से अधिक की दर से आगे बढ़ने की सम्भावना व्यक्त की है। जबकि यूरोप के कुछ देशों यथा जर्मनी, कनाडा आदि एवं ब्रिटेन तथा अमेरिका में मंदी की सम्भावनाएं स्पष्ट तौर पर दिखाई दे रही हैं। अमेरिका में तो वर्ष 2025 की प्रथम तिमाही (जनवरी-मार्च 2025) में आर्थिक विकास दर में 0.3 प्रतिशत की गिरावट दर्ज हुई है। लगभग यही हाल यूरोप के कई देशों तथा जापान आदि का है। चीन की आर्थिक विकास दर में भी गिरावट आती हुई दिखाई दे रही है। यदि जापान एवं जर्मनी की अर्थव्यवस्थाओं में वर्ष 2025 एवं 2026 में गिरावट दर्ज होती है और भारतीय अर्थव्यवस्था 6 प्रतिशत की विकास दर हासिल कर लेती है तो बहुत सम्भव है कि वर्ष 2025 में जापान एवं वर्ष 2026 में जर्मनी को पीछे छोड़ते हुए भारत विश्व में अमेरिका एवं चीन के बाद तीसरे नम्बर की अर्थव्यवस्था बन जाएगा।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विपरीत परिस्थितियों के बीच भी भारतीय अर्थव्यवस्था के तेजी से आगे बढ़ने के पीछे भारत की आंतरिक मजबूती मुख्य भूमिका निभाती हुई दिखाई दे रही है। भारत में अभी हाल ही में महाकुम्भ मेला सम्पन्न हुआ है, इस महाकुम्भ में लगभग 66 करोड़ भारतीय मूल के नागरिकों ने पवित्र त्रिवेणी में आस्था की डुबकी लगाई।

इतनी भारी मात्रा में नागरिकों के यहां पहुंचने से भारतीय अर्थव्यवस्था को बल ही मिला है। महाकुम्भ में भाग ले रहे प्रत्येक नागरिक ने औसत रूप से यदि 2000 रुपए भी प्रतिदिन खर्च किए हों और प्रत्येक नागरिक ने औसतन कुल तीन दिवस भी महाकुम्भ में बिताएं हों तो भारतीय अर्थव्यवस्था को 396,000 करोड़ रुपए का अतिरिक्त लाभ पहुंचा है। रोजगार के लाखों अवसर निर्मित हुए हैं, यह अलग लाभ रहा है। आधारभूत सुविधाओं को विकसित किया गया जिसका लाभ आने वाले कई वर्षों तक देश को मिलता रहेगा। देश में धार्मिक पर्यटन भी भारी मात्रा में बढ़ा है जिसका प्रभाव भारतीय अर्थव्यवस्था पर बहुत अच्छे रूप में दिखाई दे रहा है। धार्मिक पर्यटन एवं महाकुम्भ के चलते ही अब यह आंकलन हो रहा है कि वित्तीय वर्ष 2024-25 की चतुर्थ तिमाही (जनवरी-मार्च 2025) में भारत के सकल घरेलू उत्पाद में लगभग 7 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हो सकती है।

भारत से क्या लड़ेगा, पहले गृह युद्ध से तो निपट ले पाकिस्तान

पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के रिश्ते काफी खराब हो चुके हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी मंगलवार को हुई एक अहम बैठक में सेना को खुली छूट दे दी है, जोर देकर कहा गया है कि समय और टारगेट सेना को ही तय करना है। प्रधानमंत्री मोदी का यह इशारा बताने के लिए काफी है कि पाकिस्तान के खिलाफ निर्णायक और कड़ी कार्रवाई होने वाली है। लेकिन इस बीच पाकिस्तान खुद कई सारे गृह युद्ध से घिरा हुआ है। अगर भारत उसके साथ युद्ध ना भी करे तो भी अपनी अंदरुनी चुनौतियों की वजह से वो बर्बाद हो जाएगा। यहां जानने की कोशिश करते हैं कि ऐसे कौन से चार गृहयुद्ध हैं जो पाकिस्तान को अंदर से पूरी तरह खोखले कर रहे हैं।

सुधांशु माहेश्वरी

पहला गृह युद्ध- बलूचिस्तान में बवाल

पाकिस्तान के बलूचिस्तान में कई दशकों से आजादी की लड़ाई छिड़ी हुई है। यहां के लोग पाकिस्तान से अलग होना चाहते हैं। यह एक ऐसा इलाका बन चुका है जहां पर पाकिस्तान की सेना भी जाने से कतराती है। इस पूरे इलाके में बलूच लिबरेशन आर्मी का बोलबाला रहता है, यह संगठन ना सिर्फ आजादी की लड़ाई लड़ रहा है बल्कि समय-समय पर पाक सेना पर भी हमले करते रहता है। इस संगठन के अलावा बलोच लिबरेशन फ्रंट, यूनाइटेड बलोच आर्मी और बलोच रिपब्लिकन आर्मी भी सक्रिय है।

असल में बलूचिस्तान पाकिस्तान का सबसे बड़ा प्रांत है, प्राकृतिक संसाधन का धनी यह इलाका हमेशा से ही विकास से वंचित रहा है। यहां के लोगों को ना रोजगार मिला और ना ही गरीबी से ऊपर उठने का सही मौका। इसके ऊपर पाकिस्तान पर आरोप लगता है कि इसने अपने फायदे के लिए बलूचिस्तान के संसाधनों का दुरुपयोग किया है, वहां की जनता को परेशान किया है। अब तक बलूचिस्तान के लोग अपनी आजादी के लिए कई युद्ध लड़ चुके हैं, अभी भी उनकी तरफ से आंदोलन किए जाते हैं। नाराजगी की वजह यह भी है कि पाकिस्तानी संसद में बलूचिस्तान का

प्रतिनिधित्व मात्र 6 फीसदी है। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वाह इलाके में भी लंबे समय से अशांति चल रही है। यहां पर दो सबसे बड़ी चुनौतियां चल रही हैं, एक रही आतंकवाद और दूसरी रही आम जनता की नाराजगी। इस इलाके में भयंकर गरीबी है, वर्ल्ड बैंक की रिपोर्ट के मुताबिक 48 फीसदी के करीब आबादी गरीबी रेखा से नीचे चल रही है। पाकिस्तान के अंदर ज्यादातर जो भी आतंकी हमले होते हैं, उसके तार इसी इलाके से जुड़ते हैं। खैबर में दो आतंकी संगठन सक्रिय चल रहे हैं- तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान और इस्लामिक स्टेट खुरासन प्रोविंस।

ये दोनों ही आतंकी संगठन पाकिस्तान में शरिया कानून चाहते हैं, पूरे खैबर पख्तूनख्वाह इलाके में उन्हें अपना कब्जा चाहिए और पाक सेना पर हमला करते ही रहते हैं। इस समय खैबर पख्तूनख्वाह में 'पश्तून तहाफूज आंदोलन' भी चल रहा है। असल में इस इलाके की जनता एक हाईड्रो प्रोजेक्ट का जमकर विरोध कर रही है, आरोप लगा है कि पाकिस्तान की सरकार ने यहां के लोगों की जमीन तो प्रोजेक्ट ली, लेकिन उन्हें मुआवजे का पैसा नहीं दिया गया।

पाक अधिकृत गिलगित-बाल्टिस्तान इलाके में भी जनता जमीन पर उतर चुकी है, पाक सरकार की जमकर फजीहत हो रही है। चेतावनी तक दी गई है कि अगर पाकिस्तान ने यहां आकर एक इंच जमीन पर भी कब्जा किया तो उनकी कब्र यहीं पहाड़ों पर बना दी जाएगी। असल में गिलगित-बाल्टिस्तान में लोग खनिज, जमीन और बिजली संकट को लेकर पाकिस्तान सरकार को जमकर कोस रहे हैं, उन पर गंभीर आरोप लगे हैं। हथियारों के साथ आंदोलन करने की बात कही जा रही है।

पाकिस्तान के दक्षिणी प्रांत सिंध में भी इस समय बवाल की स्थिति है। वहां पर विवादास्पद चोलिस्तान नहर परियोजना के खिलाफ हिंसक विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। ये परियोजना सेना समर्थित ग्रीन पाकिस्तान इनिशिएटिव (जीपीआई) का हिस्सा बताई जा रही है। अब क्योंकि सिंध और पंजाब क्षेत्र में जल बंटवारे को लेकर संघर्ष बढ़ता जा रहा है, इसी वजह से वहां पर लोग आमने-सामने आ चुके हैं। हिंसक प्रदर्शन में कई पुलिसकर्मी भी घायल हुए हैं। असल में पाकिस्तान इस परियोजना के जरिए रेगिस्तानी भूमि में सिंचाई करना चाहता है। कुल छह नहरें हैं- सिंधु से पांच और भारत नियंत्रित सतलुज से एक। इनके जरिए ही सिचाई को व्यापक स्तर तक पहुंचाने की कोशिश है। लेकिन एक तरफ पाकिस्तान को भारत ने इंडस वाटर ट्रीटी से पीछे हट झटका दिया है, इसके ऊपर इस परियोजना को लेकर कहा जा रहा है कि इससे जल संकट और ज्यादा गहरा सकता है।

पाकिस्तान इस समय कर्ज के जाल में भी बुरी तरह फंस चुका है। लगातार पैसे मांगने की आदत ने पाकिस्तानी सरकार के खजाने को तो खाली किया ही है, इसके अलावा वहां की जनता पर महंगाई की जबरदस्त मार भी पड़ी है। पाकिस्तान को कर्ज का भारी भरकम बोझ जिन देशों को चुकाना या सेटल करना है उनमें सऊदी अरब (5 बिलियन अमरीकी डॉलर), चीन (4 बिलियन अमरीकी डॉलर), यूएई (3 बिलियन अमरीकी डॉलर) और कुवैत (700 मिलियन अमरीकी डॉलर) से हैं।

पाकिस्तान की हालत ज्यादा खराब इसलिए भी चल रही है क्योंकि उसके पास सिर्फ तीन महीने से कुछ ज्यादा समय के लिए देश चलाने का पैसा बचा है। पाक वित्त मंत्रालय के आंकड़े बताते हैं कि इस समय पाकिस्तान का फॉरेक्स रिजर्व 15.436 अरब डॉलर चल रहा है, हर साल वो एक्सपोर्ट-इम्पोर्ट पर 54 अरब डॉलर खर्च कर रहा है। ऐसे में उसका खजाना फुल स्पीड से खाली हो रहा है।

करियर चुनते समय भूलकर भी ना करें यह गलतियां

करियर चुनते समय कुछ चीजों का खास ख्याल रखना चाहिए। अगर आप इन चीजों का ख्याल नहीं रखती हैं तो आपको आगे जाकर दिक्कत आ सकती हैं।

करियर चुनना एक ऐसा फैसला है जिस पर आपकी आने वाली जिंदगी निर्भर करती है। ऐसे में यह फैसला कभी भी जल्दबाजी या बिना जानकारी के ना लें। अगर आप ऐसा करती हैं तो आने वाला समय आपके लिए मुश्किलों से भरा हो सकता है। ऐसे में जरूरी है कि करियर का फैसला सोच समझकर लिया जाए। ऐसे में करियर चुनते समय निम्नलिखित गलतियों से बचने के लिए ध्यान देना काफी जरूरी है।

प्रभावित होना

अक्सर लोग दूसरों के मत और प्रभावों के चलते करियर चुनते हैं। आपको अपनी प्राथमिकताओं, रुचियों और क्षमताओं के आधार पर चुनाव करना चाहिए, न कि दूसरों के प्रभाव में आकर। दूसरों का सुनना जरूरी है लेकिन जरूरी नहीं की आप उनकी हर बात को मानें।

बाहरी दबावों को महत्व देना

अक्सर परिवार दबाव, सामाजिक प्रतीक्षाओं या प्रतिस्पर्धा के दबाव के चलते गलत करियर चुन लेते हैं। आपको खुद के आंतरिक आवश्यकताओं और योग्यताओं पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। दबावों मे आकर कोई भी गलत निर्णय ना करें। ऐसे में आपको आगे जाकर दिक्कत आ सकती हैं।

अनधिकृत सलाह पर निर्भरता

करियर चुनते समय बहुत से लोग अनधिकृत या अयोग्य व्यक्तियों से सलाह लेते हैं। आपको केवल प्रामाणिक और विशेषज्ञ सलाहकारों की सहायता लेनी चाहिए। सलाह लेना जरूरी है लेकिन अपनी रूची के हिसाब से निर्णय लें। ताकि आपको आगे दिक्कत का सामना ना करना पड़े।

सिर्फ पैसे के लिए चुनाव

सिर्फ पैसे के लिए करियर को ना चुनें। पैसा होना जरूरी है लेकिन अगर आपका मन उस काम में नहीं लगता है लेकिन उस फिल्ड में पैसा अधिक है तो कभी भी ऐसा फील्ड का चुनाव अपने करियर के लिए ना करें।

इन टिप्स से मिलेगी अच्छी नौकरी

करियर के शुरुआत में ही अगर आपको अच्छी कंपनी मिलती है तो काफी लाभ हो सकता है। बड़ी- बड़ी कंपनियां अपने इंप्लाई को काफी अच्छी सैलरी शुरुआत में भी देते हैं। अगर आप भी मोटी सैलरी की चाह रखती हैं तो आपको कुछ आसान टिप्स को फॉलो करना होगा। इसकी मदद से आपको अच्छी नौकरी खोजने में काफी लाभ मिलेगा।

रिज्यूमे बनाते समय रखें ध्यान

आपने अपने फ्यूचर को लेकर जिस जॉब से जुड़ने का लक्ष्य बना रखा है उसके अनुसार अपना रेज्यूमे तैयार करना चाहिए। भले ही आप फ्रेशर्स क्यों ना हो आप चाहे तो अपने रिज्यूमे को अच्छे से बना सकती हैं। रिज्यूमे बनाते समय इन चीजों को जरूर लिखें।

- कॉन्टैक्ट डिटेल्स लिखें
- वर्क एक्सपीरियंस लिखें
- प्रोजेक्ट्स लिखें
- एजुकेशन लिखें
- स्किल्स लिखें
- ऑब्जेक्टिव लिखें

सोशल साइट्स से तलाशे नौकरी

सोशल साइट्स का इस्तेमाल केवल फोटो और वीडियो के लिए ही नहीं बल्कि नौकरी तलाशने के लिए भी किया जाता है। LinkedIn जैसे ऐप की माध्यम से आपको आसानी से नौकरी मिल जाएगी। इस साइट पर आपको एक्टिव रहना है और खुद से जुड़ी जानकारी शेयर करते रहना है। इतना ही नहीं, बड़ी- बड़ी कंपनियां यही नौकरी से जुड़ी सूचना डालते हैं। आपको यहीं से अप्लाई करने का विकल्प भी मिल जाएगा।

कुछ नया करें

आपको अगर एक काम आता है तो आपको नौकरी मिलने में दिक्कत हो सकती हैं। अगर आप अपने काम के साथ अपने फिल्ड से जुड़ी अन्य कामों की जानकारी रखती हैं तो आपको नौकरी मिलने में दिक्कत नहीं होगी। कुछ नया सिखना हमेशा जरूरी हैं।

बनना चाहते हैं एचआर ....तो जानिए इसके लिए क्या करना होगा

अगर आप मानव संसाधन (एचआर) क्षेत्र में करियर बनाना चाहते हैं, तो इसके लिए आपको अलग-अलग स्तर पर अहम फैसले लेने होंगे। ।क्रमें सफल करियर के लिए सही शिक्षा, अनुभव और कौशलों का होना जरूरी है। यहां इस प्रक्रिया को विस्तार से बताया गया है। ह्यूमन रिसोर्स (एचआर) प्रोफेशनल्स किसी भी कंपनी के लिए बहुत जिम्मेदार सदस्य होते हैं, जो खास तौर पर रिक्रूटमेंट, एम्प्लॉई मैनेजमेंट और अन्य प्रशासनिक कार्यों की जिम्मेदारी संभालते हैं। यह करियर विकल्प न केवल चुनौती भरा हो सकता है, बल्कि बहुत ही संतोषजनक और सम्मानित किए जाने वाला पोजीशन भी है।

मानव संसाधन (एचआर) प्रोफेशनल के लिए जिम्मेदारियां

रिक्रूटमेंट

पदों की आवश्यकता की पहचान करना। अलग-अलग प्लेटफार्मों पर जॉब पोस्ट करना। आवेदन पाने के बाद कैंडिडेट्स की स्क्रीनिंग करना। इंटरव्यू का आयोजन और संचालन करना। सबसे खास कैंडिडेट का चयन करना और नौकरी के प्रस्ताव भेजना।

एम्प्लॉई मैनेजमेंट

नए कर्मचारियों का प्रशिक्षण और उनकी कौशल में वृद्धि के लिए विकास कार्यक्रम आयोजित करना। कर्मचारियों के परफॉर्मेंस का मूल्यांकन करना और फीडबैक के आधार पर परफॉर्मेंस एप्रेजल देना। कर्मचारियों की समस्याओं और शिकायतों का समाधान करना। वेतन और अन्य लाभों का प्रबंधन करना।

एम्प्लॉई रिलेशन

कर्मचारियों और प्रबंधन के बीच असरदार कम्युनिकेशन बनाए रखना। कंपनी के भीतर एक सकारात्मक और प्रोडक्टिव वर्क कल्चर को डेवलप करना।

अनुपालन और कानूनी मामलों का प्रबंधन

लेबर लॉ के साथ-साथ कानूनी दस्तावेजों और अनुबंधों का प्रबंधन करना।

मानव संसाधन (एचआर) प्रोफेशनल के लिए डिग्री में करियर बनाने के लिए ग्रेजुएशन की डिग्री जरूरी है। आप मानव संसाधन प्रबंधन (एचआर), मनोविज्ञान, समाजशास्त्र, या पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन जैसे विषयों में ग्रेजुएशन कर सकते हैं। ह्यूमन रिसोर्स मैनेजर के पदों पर और बेहतर वेतन संभावनाओं के लिए, आप मानव संसाधन प्रबंधन (MBA-HRM) या मानव संसाधन विकास (MS-HRD) में मास्टर डिग्री हासिल कर सकते हैं। एचआर

ह्यूमन रिसोर्स (एचआर) प्रोफेशनल्स किसी भी कंपनी के लिए बहुत जिम्मेदार सदस्य होते हैं, जो खास तौर पर रिक्रूटमेंट, एम्प्लॉई मैनेजमेंट और अन्य प्रशासनिक कार्यों की जिम्मेदारी संभालते हैं।

(Human Resource) में एमबीए करने के लिए कैट (CAT) और मैट (MAT) जैसी परीक्षाएं आमतौर पर जरूरी होती हैं। ये परीक्षाएं आपके मैनेजमेंट प्रोग्राम में प्रवेश पाने के लिए आयोजन कराई जाती हैं और भारत में कई प्रतिष्ठित बिजनेस स्कूलों जैसे भारतीय प्रबंधन संस्थानों IIMs में स्वीकार की जाती हैं। इसके साथ ही मानव संसाधन में विशेषज्ञता के साथ प्रबंधन में दो साल का पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा (पीजीडीएम) भी जरूरी हो सकता है।

प्रोफेशनल सर्टिफिकेट और ट्रेनिंग

कई ऑर्गनाइजेशन ।क्रप्रोफेशनल के लिए सर्टिफिकेट कोर्स ऑफर करते हैं। ये सर्टिफिकेट आपके नॉलेज और स्किल्स को मान्य करते हैं और आपको नौकरी दिलाने में बेहतर साधन उपलब्ध करा सकते हैं। कुछ सर्टिफिकेट कोर्स जैसे प्रोफेशनल इन ह्यूमन रिसोर्स, सोसायटी फॉर ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट सर्टिफाइड प्रोफेशनल और सीनियर प्रोफेशनल इन ह्यूमन रिसोर्स कर सकते हैं। ह्यूमन रिसोर्स में एंट्री लेवल के पदों के लिए अक्सर इंटर्नशिप या वालंटियर के अनुभव की जरूरत होती है। आप ।क्रविभाग में सहायक, भर्ती करने वाला या प्रशिक्षण और विकास विशेषज्ञ जैसे पदों पर काम करके अनुभव प्राप्त कर सकते हैं।

एचआर प्रोफेशनल के लिए जरूरी कौशल

एचआर प्रोफेशनल के लिए जरूरी कई तरह के कौशल होते हैं। इनमें से कुछ कौशल ये हैं। संचार, पारस्परिक कौशल, समस्या समाधान, नेतृत्व, विवरण पर ध्यान देना, सहानुभूतिपूर्ण रवैया, त्वरित निर्णय, ईमानदारी, धैर्य, सामाजिक जागरूकता, स्व-प्रबंधन, जवाबदेही, रणनीति के हिसाब से सोच, तकनीकी दक्षता, रणनीतिक योजना, स्टेकहोल्डर के साथ प्रबंधन।

इन कौशलों से मानव संसाधन प्रोफेशनल को अपने संगठन में सकारात्मक योगदान देने और चुनौतियों का सामना करने में मदद मिलती है। साथ ही, इन कौशलों से वे प्रभावी संचार और कुशल प्रबंधन कर पाते हैं। मानव संसाधन प्रोफेशनलों को कर्मचारी डेटा और मुआवजा, चिकित्सा मुद्दों, मानसिक स्वास्थ्य, संघर्ष, परफॉर्मेंस, वर्कप्लेस की चोट, उत्पीड़न और अनुशासनात्मक समस्याओं से जुड़ी जानकारी से भी अवगत होना चाहिए। इसके अलावा, उन्हें कर्मचारियों की गोपनीयता बनाए रखने की ज़िम्मेदारी भी निभानी होती है।

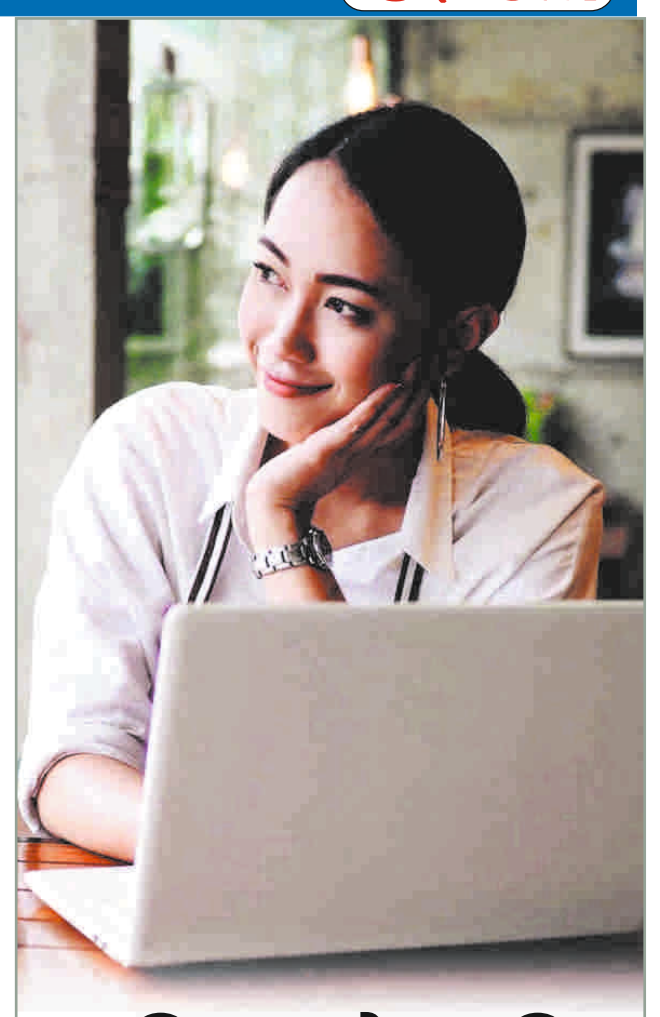

करियर में चाहिए सफलता तो इन बातों का रखें ध्यान

करियर में आगे बढ़ने का सपना हर किसी का होता है ऐसे में आपको कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए। आज हम आपको इससे जुड़ी कुछ ख़ास बातें बताने वाले हैं।

करियर में आगे बढ़ना तो सभी चाहते हैं। हम सभी को यह लगता है कि बस कैसे भी करके हमें जल्दी से प्रमोशन मिल जाएं। इसके लिए कई बार हम अपने टैलेंट के हिसाब से नई नौकरियां भी ढूंढते रहते हैं। ज़्यादातर कंपनियां मल्टी टैलेंटेड लोगों को ही हायर करना चाहती है। ऐसे में अगर आप भी अपने करियर में आगे बढ़ना चाहती हैं तो हम आपको कुछ टिप्स बताने वाले हैं। आपको इन टिप्स को फॉलो करना चाहिए।

व्यवहार पर दें ध्यान

आपको अपनी टीम के साथ अपना रिश्ता अच्छा बनाकर रखना चाहिए। कई बार कुछ चीजों पर हमें काफी ज़्यादा गुस्सा आ जाता है। अगर ऐसा आपके साथ भी हो रहा है तो आप अपने व्यवहार को ध्यान में रखते हुए ही कुछ कदम उठाए। कई बार जल्दबाजी में लिया गया फैसला गलत साबित हो सकता है। स्थिति चाहे कितनी भी खराब क्यों न हो आपको नियंत्रण करना आना चाहिए।

बातचीत का तरीका

कोशिश करें कि आप ज्यादा से ज्यादा अपने बॉस से बातें करें। कॉरपोरेट जॉब में ऐसा करना बहुत ही ज्यादा जरूरी है। अगर आपके बाल 9-5 जॉब करके वापस घर आ जाती है तो आपका प्रमोशन नहीं होने वाला है। ना ही आपको करियर में आगे सफलता मिलने वाली है। किसी भी प्रोफ़ेशन के लिए कम्युनिकेशन स्किल्स काफी ज्यादा जरूरी है। इसलिए हमेशा अपने कम्युनिकेशन स्किल्स पर ध्यान देना चाहिए।

सीखने की लगन

अगर आपको कोई टास्क दिया गया है जो आपको बिलकुल भी नहीं आता है तो परेशान न होए और न ही अपने बॉस को यह कहे कि आपको यह काम नहीं आता है। आपको यह कहना चाहिए कि मुझे इसके बारे में जानकारी नहीं है लेकिन मैं इसमें काम करना चाहूंगी। ताकि मैं इसकी भी जानकारी प्राप्त कर सकूं। ऐसे में आपका बॉस आपसे इंप्रेस हो जाएंगे।

काम में गलती करने से बचे

आपकी एक गलती आप पर भारी पड़ सकती है। ऐसे में अगर आप अपने करियर में आगे जाना चाहती हैं तो आपको अपने काम को लेकर डेडिकेशन दिखाना होगा। इसके लिए कोशिश करें कि काम करते वक्त कोई भी गलती ना करें। गलतियां तभी होती है जब हम जल्दबाजी में काम करते हैं। जल्दबाजी में आकर काम करना बंद कर दें।

बैंक क्लर्क जॉब सिक्योरिटी और तरक्की के अवसर भी

द्विपक्षीय समझौते से पहले तक बैंक क्लर्क को काफी कम वेतन मिला करता था। मगर अब यह स्थिति बदल गई है। अब सार्वजनिक बैंकों के क्लर्कों का वेतन लगभग निजी बैंकों के समकक्ष हो गया है। इसके अलावा क्लर्क को अपने ही बैंक में आगे बढ़ने और प्रमोशनल एग्जामिनेशन में बैठने का अवसर भी मिलता है। क्लर्क के रूप में 2 से 3 साल की सेवा देने के बाद आप ऑफिसर ग्रेड में पहुंच सकते हैं और आकर्षक सैलरी के साथ-साथ अन्य लाभ तथा भत्ते भी पा सकते हैं। किसी भी बैंक में क्लर्क के रूप में जॉइन करते ही पेंशन तथा प्रॉविडेंट फंड स्कीम भी लागू हो जाती है। इसके अलावा बैंकों द्वारा अपने क्लर्कों तथा उनके परिजनों को चिकित्सा बीमा का लाभ भी दिया जाता है। क्लर्क के रूप में शुरूआत करने वाले योग्य, प्रतिभावान और अनुभवी व्यक्ति आगे चलकर ब्रांच मैनेजर के पद तक पहुंच सकते हैं। निजी बैंकों के कुल 3 लाख कर्मचारियों में से केवल 21 प्रतिशत ही क्लर्क की श्रेणी में आते हैं। विदेशी बैंकों में तो क्लर्कों की संख्या मात्र 6 प्रतिशत ही है। वे अफसरों की नियुक्ति को वरीयता देते हैं। दरअसल भारत में समूची बैंकिंग प्रणाली अब अफसरों के पक्ष में नजर आती है। शेड्यूल्ड कमर्शियल बैंकों ने जो 115 लाख कर्मचारी नियुक्त किए, उनमें 6 लाख से अधिक अफसर थे! मगर देश के सबसे बड़े बैंक स्टेट बैंक ऑफ इंडिया में आज भी अफसरों से अधिक क्लर्क कार्यरत हैं।

नियुक्ति के ट्रैंड

- आज देश की बैंकों में 52 प्रतिशत अफसर हैं, जबकि दस साल पहले ये 38 प्रतिशत ही थे।
- टेक्नोलॉजी के चलते क्लर्कों के कई काम अब निरर्थक रह गए हैं।
- बेहतर औद्योगिक संबंधों के इरादे से भी बैंक 'ऑफिसर ओनली'' मॉडल को तवज्जो दे रहे हैं।
- इस नए रवैये के कारण सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की प्रति कर्मचारी औसत लागत बढ़ गई है।

एम्प्लॉयी प्रोफाइल में यह परिर्वतन बैंकिंग प्रणाली के कम्प्यूटरीकरण के कारण आया है, जिसके चलते क्लर्कों द्वारा किए जाने वाले अधिकांश काम अब अतीत की बात बन गए हैं। पहले क्लर्क एंट्री बनाते थे और अफसर उन्हें जांचकर लेनदेन अधिकृत करते थे। इसे मेकर-चेकर मॉडल कहा जाता था। अब जबकि अधिकांश बैंकिंग प्रणाली कम्प्यूटरीकृत हो गई है, तो लेनदेन को मैन्युअली चेक करने की कोई जरूरत नहीं रह गई। राष्ट्रीयकृत बैंकों के कर्मचारी बताते हैं कि संभवतः कार्यकुशलता तथा बेहतर श्रम संबंधों के दोहरे लक्ष्य को साधने के लिए ही बैंक अब क्लर्कों के मुकाबले अधिक अफसरों को नियुक्त कर रहे हैं। सिद्धांततः अफसरों से चौबिस घंटे काम करने की अपेक्षा की जाती है। उनके लिए ओवरटाइम का कोई प्रावधान नहीं होता। वहीं क्लर्कों को 10 मिनिट ज्यादा रोकने पर भी ओवरटाइम तथा परिवहन भत्ता देना पड़ता है।

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक में चयनित होना और इनमें करियर बनाना काफी समय से युवाओं का लक्ष्य रहा है। इस जॉब से जुड़ी उज्जवल संभावनाओं को देखते हुए ही वे इस ओर आकर्षित होते हैं। यहां जॉब सिक्योरिटी भी है और तरक्की के अवसर भी।

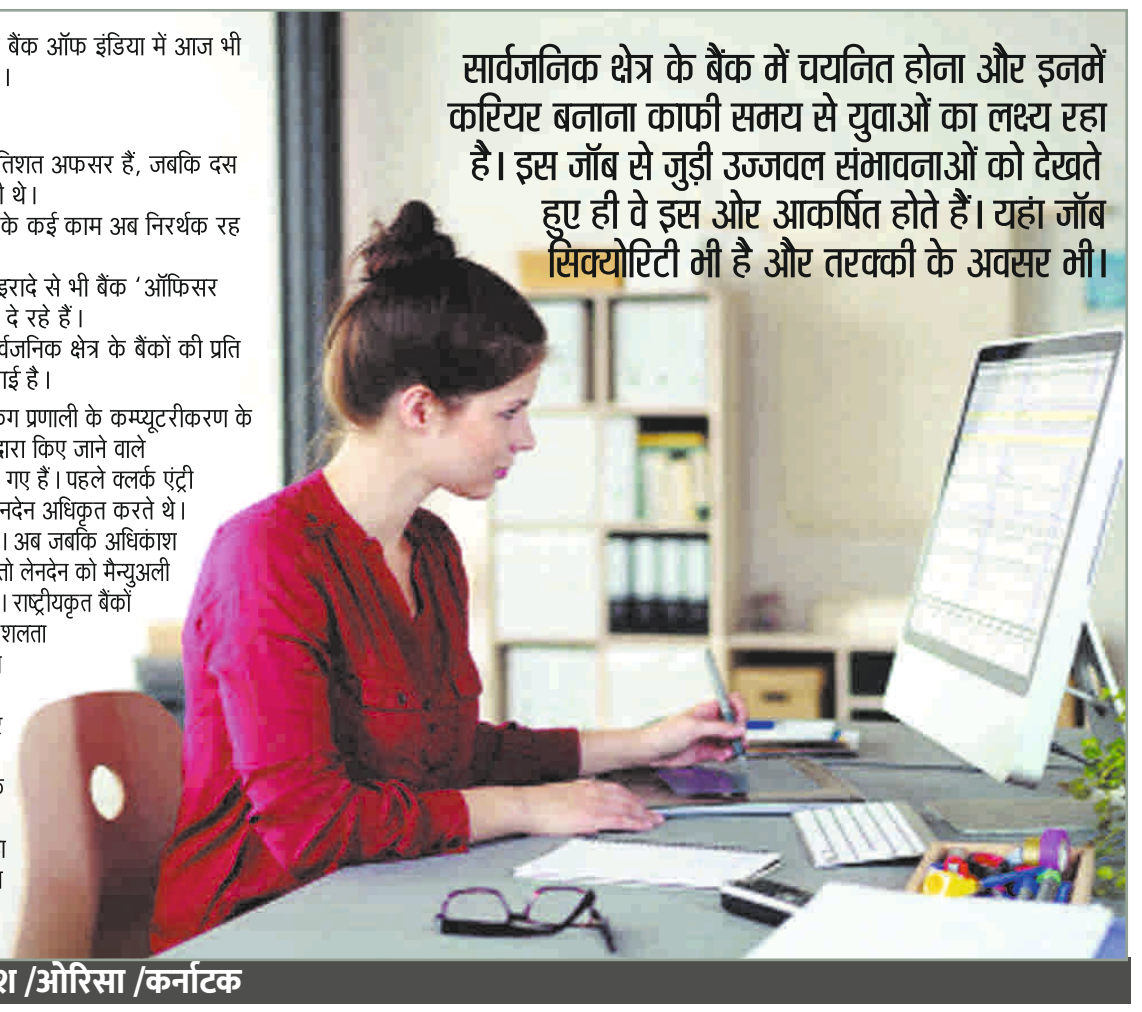

एक्शन-थ्रिलर फिल्म में नजर आएंगे देव पटेल, दिखाएंगे 1300 के दशक की अनोखी कहानी

अभिनेता और निर्माता-निर्देशक देव पटेल अपनी अलग तरह की फिल्मों के लिए जाने जाते हैं। वो अपनी फिल्मों में गंभीर मुद्दों पर बात करते हैं। देव पटेल अभिनेता के साथ-साथ निर्दशक की जिम्मेदारी भी बखूबी निभा रहे हैं। अब देव पटेल के अगले प्रोजेक्ट को लेकर अहम जानकारी सामने आई है। अभिनेता पीरियड एक्शन-थ्रिलर 'द पीजेंट' में दिखाई देंगे। इस फिल्म में वो एक्टिंग के साथ-साथ निर्देशन की कमान भी संभालते नजर आएंगे।

मध्यकालीन भारत पर आधारित होगी फिल्म

'द पीजेंट' की कहानी मध्यकालीन भारत पर आधारित होगी। बतौर निर्देशक अपनी पहली फिल्म 'मंकी मैन' की सफलता और प्रशंसा के बाद देव पटेल थंडर रोड पिक्चर्स के साथ फिर से वापसी कर रहे हैं। द हॉलीवुड रिपोर्टर के अनुसार, फिफ्थ सीजन और थंडर रोड के समर्थन से बन रही 'द पीजेंट' कथित तौर पर 'ब्रेवहार्ट', 'जॉन विक' और 'किंग आर्थर' से प्रभावित होगी।

यह होगी फिल्म की कहानी

'द पीजेंट' की कहानी 1300 के दशक के भारत के एक चरवाहे पर केंद्रित है, जो अपने समुदाय को नष्ट करने वाले भाड़े के शूरवीरों के एक गिरोह के खिलाफ भयंकर विद्रोह करता है। इस दौरान उसका एक ऐसा रूप सामने आता है, जिसकी किसी ने उम्मीद भी नहीं की थी। इस फिल्म को लेकर दर्शकों में काफी उत्साह है और वो इस तरह की कहानी को देखने के लिए बेसब्री से इंतजार कर रहे है।

'मंकी मैन' को मिली थी काफी प्रशंसा

देव पटेल द्वारा निर्देशित पिछली फिल्म 'मंकी मैन' भी एक रिवेंज थ्रिलर थी। साल 2024 में सिनेमाघरों में रिलीज हुई 'मंकी मैन' को काफी सराहा गया था। फिल्म को भारत से लेकर विदेशों तक में काफी पसंद किया गया था। फिल्म में देव पटेल ने निर्देशन के साथ-साथ एक्टिंग भी की है। यह फिल्म अब पीकॉक टीवी पर स्ट्रीमिंग के लिए उपलब्ध है।

'केजीएफ' में फ्लावरपॉट कहे जाने पर श्रीनिधि ने दी प्रतिक्रिया

'केजीएफ' में अभिनेता यश के साथ नजर आईं अभिनेत्री श्रीनिधि शेट्टी इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'हिट 3' के प्रमोशन में व्यस्त हैं। इस बीच अभिनेत्री ने अपनी पहली फिल्म 'केजीएफ' को लेकर बात की। साथ ही उन्होंने उनको 'केजीएफ' में फ्लावरपॉट कहे जाने पर भी अपनी प्रतिक्रिया दी और बताया कि उन्हें आलोचनाओं व ट्रोलिंग से फर्क पड़ता है या नहीं।

मुझे फ्लावरपॉट बनने में नहीं थी कोई दिक्कत

अभिनेत्री श्रीनिधि शेट्टी ने हालिया बातचीत में अपनी पहली फिल्म 'केजीएफ' में उन्हें फ्लावरपॉट कहकर ट्रोल किए जाने पर बात करते हुए कहा, मुझे 'केजीएफ' में फ्लावरपॉट बनने में कोई आपत्ति नहीं थी, क्योंकि जब यह आई तो यह मेरे लिए एक ड्रीम प्रोजेक्ट की तरह था। न कि यह कैसे होगा, ये मेरे लिए मायने रखता था। जब मैंने कहानी सुनी, तो मुझे पता था कि मेरी भूमिका केवल इतनी ही है, लेकिन मैं इसे करना चाहती थी। मैं चाहती थी कि मेरी पहली फिल्म यही हो। फिर यह एक व्यक्तिगत पसंद है। कुछ लोग फ्लावरपॉट बनना पसंद करेंगे, कुछ लोग नहीं। अब अगली फिल्म में फ्लावरपॉट बनने में सोचूंगी

अभिनेत्री ने आगे बात करते हुए कहा, अब अगर आप मुझसे पूछें, तो क्या आप अगली कुछ फिल्मों में फ्लावरपॉट बनेंगी? तो अब मैं अपना समय लूंगी और सोचूंगी कि मैं चाहती हूं या नहीं। मैं देखूंगी कि कौन कर रहा है, फ्लावरपॉट की कीमत कितनी है। पहली वाली मेरी सचेत पसंद थी। लेकिन इसमें कुछ भी बुरा या सही गलत नहीं है। यह ठीक है, इसमें कोई हिसाब-किताब नहीं है।

'केजीएफ' को दिया अपनी लोकप्रियता का श्रेय

श्रीनिधि ने अपनी लोकप्रियता का श्रेय भी 'केजीएफ' के ही दोनों पार्ट्स को दिया। उन्होंने कहा, मुझे जितनी प्रसिद्धि या प्यार मिला है, वह 'केजीएफ' की वजह से है, इसमें कोई दो राय नहीं है। शायद यह उस काम में तब्दील नहीं हुआ, जिसके बारे में मैंने सोचा था।

'केजीएफ' में निभाया रीना देसाई का किरदार

श्रीनिधि शेट्टी ने 2018 में 'केजीएफ- चैप्टर 1' से अपने करियर की शुरूआत की। प्रशांत नील द्वारा निर्देशित 'केजीएफ' फ्रैंचाइजी में श्रीनिधि ने रीना देसाई की भूमिका निभाई थी। जबकि यश फिल्म में रॉकी के किरदार में नजर आए थे। 'केजीएफ' के दोनों ही पार्ट बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर साबित हुए हैं।

अनुष्का शर्मा ने शुरुआत में पत्रकार बनने का सोचा था लेकिन आगे चलकर वह मॉडलिंग में एक्टिव हो गईं। एक मॉल में शॉपिंग करते हुए नामी फैशन डिजाइनर की नजर अनुष्का पर पड़ी, यहीं से उनके लिए रैंपवॉक पर चलने का रास्ता तैयार हुआ। मॉडलिंग में कम समय में ही अनुष्का ने अलग पहचान बना ली। इसी दौरान कई एड फिल्मों में भी नजर आईं। अनुष्का ने कभी भी एक्टिंग करने या एक्ट्रेस बनने के बारे में नहीं सोचा।

एक्ट्रेस बनने का ख्वाब नहीं देखा, फिर कैसे बनीं बॉलीवुड की टॉप हीरोइन

मॉडलिंग की वजह से ही अनुष्का को फिल्मों में आने का मौका मिला। यशराज की तरफ से फिल्म 'रब ने बना दी जोड़ी' का ऑफर मिला। इस फिल्म के लिए जब अनुष्का ऑडिशन दे रही थीं तो करण जौहर ने आदित्य चोपड़ा को सलाह दी थी नई लड़की को फिल्म में ना लें। इस बात का खुलासा कुछ साल पहले करण जौहर ने खुद किया। साथ ही उन्हें इस बात पर गर्व है कि अनुष्का ने बतौर एक्ट्रेस एक कमाल का करियर बनाया है। यशराज के साथ अनुष्का शर्मा ने एक नहीं कई फिल्में कीं। इसमें 'बैंड बाजा बारात', 'लेडीज वर्सेज रिक्की बहल', 'बदमाश कंपनी', 'जब तक है जान' जैसी हिट फिल्में शामिल हैं।

तीनों खानों के साथ की फिल्में

अपने फिल्मी करियर में अनुष्का शर्मा ने आमिर खान के साथ 'पीके', शाहरुख खान के साथ 'जब तक है जान', 'जीरो' जैसी फिल्में भी की हैं।' साथ ही सलमान खान के साथ 'सुल्तान' भी की। इस तरह अनुष्का शर्मा उन चंद एक्ट्रेसेस में शामिल हो गईं, जिन्होंने तीनों खान के साथ बड़े पर्दे पर अभिनय किया है।

प्रोड्यूसर के तौर पर बनाई वूमेन सेंट्रिक फिल्में एक्टिंग में खुद को स्थापित करने के बाद अनुष्का शर्मा ने बतौर प्रोड्यूसर भी नई पारी शुरू की है। 'एनएच 10' जैसी फिल्म में लीक से हटकर रोल किया, साथ ही इस फिल्म को प्रोड्यूस भी किया है। अब तक अनुष्का शर्मा 'बुलबुल', 'फिलौरी' और 'परी' जैसी फिल्में भी बतौर प्रोड्यूसर बना चुकी हैं। बताते चलें कि अनुष्का ने जो फिल्में प्रोड्यूस कीं, वह सभी वूमेन सेंट्रिक रहीं। आम महिलाओं की तकलीफ, दर्द को इन कहानियों में बयां किया गया। साथ ही एक्ट्रेस के तौर पर भी जो फिल्में अनुष्का शर्मा ने की हैं, उनमें हीरो के बराबर के किरदार किए, फिल्म में अनुष्का के किरदार की हमेशा खास अहमियत रही।

कॉन्सर्ट-शो के लिए करोड़ों रुपये चार्ज करते हैं ये सितारे, शाहरुख नंबर वन

बॉलीवुड एक्टर्स, सिंगर की पॉपुलैरिटी देश ही नहीं विदेशों में भी है। खासकर ऑस्ट्रेलिया में रहने वाले भारतीयों का बड़ा तबका अपने पसंदीदा स्टार्स के कॉन्सर्ट, शो खूब देखता है। हाल ही में ऑस्ट्रेलिया में इवेंट करवाने वाले दो लोगों ने एक इटरव्यू में बॉलीवुड सेलिब्रिटीज की फीस का खुलासा किया, इन्होंने बताया कि कौन सा स्टार्स कितना पैसा एक शो या इवेंट का चार्ज करता है? साथ ही बताया कि जो चार्ज स्टार्स लेते हैं, उसके पीछे क्या वजह छिपी होती है।

शाहरुख की फैन फॉलोइंग है वजह

सिद्धार्थ कानन के शो में पेस डी और बिक्रम सिंह रंधावा बताते हैं कि जब भी ऑस्ट्रेलिया में कोई बॉलीवुड शो, कॉन्सर्ट होता है तो उसके लिए सबसे ज्यादा फीस शाहरुख खान लेते हैं। दरअसल, शाहरुख खान की फीमेल फैन फॉलोइंग बहुत ज्यादा है। इसके बाद सलमान खान सबसे ज्यादा फीस चार्ज करते हैं। साथ ही रणवीर सिंह, कार्तिक आर्यन से ज्यादा पैसे किसी शो के लिए चार्ज करते हैं।

एक्ट्रेस में करीना है सबसे आगे

इवेंट अरेंज करने वाले इन दो लोगों का कहना है कि बॉलीवुड एक्ट्रेसेस में करीना कपूर सबसे ज्यादा चार्ज करती हैं। करीना की ऑस्ट्रेलिया में बहुत फैन फॉलोइंग है। इसके बाद ही बाकी एक्ट्रेस का नाम लिस्ट में आता है।

बादशाह से ज्यादा पैसे चार्ज करते हैं हनी सिंह

ऑस्ट्रेलिया में टूर करवाने वालों का कहना है कि सिंगर में सबसे ज्यादा पैसा इस वक्त हनी सिंह ले रहे हैं। इसकी वजह है कि इस वक्त उनके गाने हिट हैं। हनी कितना पैसा चार्ज करते हैं, ये तो पेस डी, बिक्रम ने नहीं बताया लेकिन वे बोले कि सिंगर बादशाह एक शो का 2 करोड़ रुपये लेते हैं। सिंगर्स की लिस्ट में रफ्तार और करण औजला भी शामिल हैं, जो अच्छा-खास अमाउंट चार्ज करते हैं।

वास्तविक किरदारों में विक्की कौशल का जलवा बरकरार, जल्द नजर आ सकते हैं खास बायोपिक में

विक्की कौशल, जिन्होंने हाल ही में फिल्म छावा में छत्रपति संभाजी महाराज की शानदार भूमिका निभाकर सबका दिल जीता, अब जल्द ही वह दो बायोपिक फिल्मों में नजर आ सकते हैं। उससे पहले जानते हैं अभीतक किन खास किरदारों में नजर आ चुके हैं विक्की...

शरत कमल की बायोपिक

मशहूर टेबल टेनिस खिलाड़ी और ओलंपियन शरत कमल ने अपनी बायोपिक के लिए विक्की कौशल को चुना है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, एक इंटरव्यू में शरत ने कहा कि वह विक्की को अपनी कहानी के लिए सही मानते हैं, क्योंकि उनकी बायोपिक का अभिनेता लंबा और प्रभावशाली होना चाहिए।

संजीव कपूर की बायोपिक

प्रसिद्ध शेफ संजीव कपूर, जिन्होंने खाना खजाना शो से घर-घर में नाम कमाया, ने भी अपनी बायोपिक के लिए विक्की कौशल को पसंद किया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, उन्होंने कहा कि अगर उनकी जिंदगी पर फिल्म बने, तो वह विक्की को मुख्य भूमिका में देखना चाहेंगे।

सरदार उधम

सरदार उधम 2021 की ऐतिहासिक ड्रामा फिल्म है। इसका निर्देशन शूजित सरकार और निर्माण राइजिंग सन फिल्म्स ने किनो वर्क्स के सहयोग से किया है। सरदार उधम में, विक्की कौशल ने भारतीय स्वतंत्रता सेनानी उधम सिंह की भूमिका निभाई है, जिन्होंने जलियांवाला बाग हत्याकांड के लिए बदला लेने के लिए ब्रिटिश सरकार के अधिकारी माइकल ओडायर की हत्या की थी।

सैम मानेकशॉ

सैम बहादुर जैसी फिल्मों में विक्की कौशल ने वास्तविक किरदार निभाया है। सैम बहादुर में विक्की कौशल ने भारत के पहले फील्ड मार्शल सैम मानेकशॉ की भूमिका निभाई, जो 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान भारतीय सेना के कमांडर थे। इस फिल्म में भी विक्की का वास्तविक किरदार हर किसी को पसंद आया।

अगली फिल्म में आर्मी ऑफिसर बनेंगे सलमान

सलमान खान अपनी हालिया फिल्म सिकंदर के खराब परफॉर्मेंस की मार झेल चुके हैं। अब ऐसा लग रहा है कि वो अपने करियर को नया मोड़ देने के लिए तैयार हैं। अपनी पिछली फिल्म सिकंदर से मिली निराशा के बाद, वे अब 2020 की गलवान घाटी की घटना पर आधारित एक वॉर फिल्म में एक जांबाज आर्मी ऑफिसर का किरदार निभा सकते हैं। खबर है कि करियर के बुरे दौर से गुजर रहे सलमान खान अब देश की रक्षा का लिए सीमा पर तैनात एक जांबाज आर्मी ऑफिसर की भूमिका निभाने के लिए तैयार हैं। बताया जा रहा है कि ये एक वॉर फिल्म होगी, जो 2020 की गलवान घाटी में हुए भारत-चीन युद्ध की कहानी होगी। खबर थी कि जहां सलमान खान डायरेक्टर एटली की फिल्म करने वाले थे, वहीं उनकी लगातार खराब परफॉर्म कर रही फिल्मों को देखते हुए एक्टर पर 600 करोड़ रुपये निवेश करने में भरोसे की कमी रही और फिल्म को रोक दिया गया है। इसी के साथ रिपोर्ट में बताया गया है कि अब सलमान एक वॉर फिल्म का हिस्सा होंगे। बताया जा रहा है कि सलमान ने अपनी अगली फिल्म एक युद्ध बेस्ड प्रॉजेक्ट पर चुनी है। बता दें कि ये कोई साधारण युद्ध फिल्म नहीं है, बल्कि भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच साल 2020 की गलवान घाटी में हुई भीषण लड़ाई पर बेस्ड है।

जल जीवन मिशन घोटाला मामला : पूर्व मंत्री महेश जोशी को तीन दिन की अंतरिम जमानत

जयपुर। जल जीवन मिशन में 979 करोड़ के कथित घोटाले से जुड़े मामले में न्यायिक हिरासत में बंद पूर्व मंत्री महेश जोशी को श्वष्ठ मामलों की विशेष अदालत ने तीन दिन की अंतरिम जमानत दी है। अदालत ने यह राहत 8 मई से 10 मई तक के लिए दी है। जोशी को 11 मई की सुबह 8 बजे तक आत्मसमर्पण करना होगा।

विशेष अदालत के जज खगेन्द्र कुमार शर्मा ने यह आदेश दिए। दरअसल, महेश जोशी ने अपनी पत्नी के अंतिम संस्कार के बाद होने वाले पारंपरिक रीति-रिवाजों में शामिल होने के लिए 9 दिन की अंतरिम जमानत की याचिका दायर की थी। अधिवक्ता दीपक चौहान के माध्यम से दायर याचिका पर सुनवाई के बाद अदालत ने उन्हें तीन दिन की मोहलत दी। इससे पहले, पत्नी के निधन पर उन्हें 28 अप्रैल को चार दिन की अंतरिम जमानत दी गई थी। अब वह पुनः 8 से 10 मई तक जेल से बाहर रह सकेंगे। फिलहाल जोशी सेंट्रल जेल में न्यायिक हिरासत में हैं।

जेकेके में शुरू हुआ 10 दिवसीय रंगरीत कला महोत्सव : प्राकृतिक रंगों की महक और देश के नामी कलाकारों की उपस्थिति

जयपुर। जवाहर कला केन्द्र की अलंकार कला दीर्घा सुबह पारंपरिक रीति से बने प्राकृतिक रंगों की महक और देश के नामी कलाकारों की उपस्थिति से मुखरित हो उठी। यहां जगह जगह कलाकारों की पेन्टिंग बनाने के लिए एजल नहीं थे। आयोजकों ने महोत्सव की परंपरागत प्रकृति को देखते हुए विभिन्न जगह सफेद आसन और लकड़ी से बनी चौकियां लगाई जिन पर बैठकर कलाकार अपनी अपनी सोच से चित्रों की पारंपरिक अंदाज में रचना कर रहे थे। मौका था जेकेके की ओर से शुरू किए गए दस दिवसीय रंगरीत कला महोत्सव के पहले दिन का। इस महोत्सव की खास बात ये थी कि इसमें शिरकत करने के लिए कला की तीन पीढ़ियों बुजुर्ग, वरिष्ठ और युवा कलाकारों को आमंत्रित किया गया है। इस मौके पर प्रदेश के 75 वर्षीय नामी चित्रकार समंदर सिंह खंगारोत सागर ने कहा कि उन्होंने जवाहर कला केन्द्र के बैनर पर पहली बार कला का ऐसा महोत्सव देखा है जिसमें कला की तीन पीढ़ियों को आमंत्रित किया गया है। चित्रकार समंदर सिंह खंगारोत ने पारंपरिक वसली पेपर पर सूर्य पुत्र अश्विनी कुमार के चित्र की रचना शुरू की है। डेढ़ गुणा दो फुट आकार की इस पेन्टिंग को खंगारोत जापानी टैम्परा कलर से बना रहे हैं। समारोह में कलाकर्म शुरू होने से पहले जेकेके की अतिरिक्त महानिदेशक अलका मीणा, रंगरीत कला महोत्सव के समन्वयक वैदिक चित्रकार रामूरामदेव, कला गुरू समंदर सिंह खंगारोत सागर सहित अन्य गण्यमान्य लोगों ने दीप प्रज्ज्वलित कर समारोह का उद्घाटन किया।

नीटयूजी परीक्षा : एनटीए ने सोशल मीडिया पर उठाया सख्त कदम, फर्जी दावे फैलाने वालों पर होगी कार्रवाई

जयपुर। देश में 4 मई 2025 को आयोजित होने वाली नीट यूजी परीक्षा को लेकर नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (ह्ल्ञ्र) ने तैयारियां पूरी कर ली हैं। परीक्षा से पहले सोशल मीडिया पर फैल रही अफवाहों को रोकने के लिए एनटीए ने सख्त रुख अपनाया है। एनटीए ने इंस्टाग्राम और टेलीग्राम पर मौजूद 120 से अधिक ऐसे अकाउंट्स की पहचान की है, जो पेपर लीक और अन्य झूठे दावे फैला रहे थे। इनमें 106 टेलीग्राम चैनल और 16 इंस्टाग्राम अकाउंट शामिल हैं। एजेंसी ने दोनों प्लेटफॉर्म से इन अकाउंट्स को हटाने और एडमिन की जानकारी साझा करने का अनुरोध किया है, ताकि उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा सके। एनटीए का कहना है कि इन झूठे दावों का मकसद छात्रों में भ्रम और डर फैलाना है। एजेंसी ने छात्रों को सतर्क रहने और किसी भी फर्जी सूचना पर भरोसा न करने की सलाह दी है। इसके अलावा एनटीए ने हाल ही में एक नया प्लेटफॉर्म शुरू किया है, जहां छात्र नीट से संबंधित संदिग्ध गतिविधियों की रिपोर्ट कर सकते हैं।

लोक सेवक प्रशासन के कर्णधार, राष्ट्र निर्माण में लोक सेवक की अहम भूमिका : मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित सिविल सेवा परीक्षा में राजस्थान के चयनित अभ्यर्थियों का सम्मान कर बधाई दी और विश्वास व्यक्त किया है कि वे सभी अमृत काल के योद्धा के रूप में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के वर्ष 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को साकार करने में अपना योगदान देंगे तथा उत्कृष्ट लोक सेवा के माध्यम से हमेशा राजस्थान का नाम देशभर में रोशन करेंगे।

मुख्यमंत्री निवास पर आयोजित सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि हमारी सरकार ने पिछले वर्ष से चयनित प्रतिभाओं के सम्मान की पहल की है। देश की सबसे कठिन परीक्षाओं में से एक माने जाने वाली यह परीक्षा पास करके प्रदेश के युवाओं ने अपने माता-पिता के साथ ही क्षेत्र और पूरे प्रदेश का नाम रोशन किया है। उन्होंने कहा कि इस सफलता के बाद जीवन में बेहतर कार्य करते हुए परिजनों की खुशी के भाव को जीवन में आगे भी बनाएं रखें।

दृढ़ संकल्प व मेहनत से मिलती है सफलता

मुख्यमंत्री ने 'कर्ता के आगे हारे करतार' उक्ति का उल्लेख करते हुए कहा कि किसी भी कार्य में सफलता पाने के लिए कठिन परिश्रम करना पड़ता है तथा दृढ़ संकल्प के साथ की गई मेहनत से सफलता अवश्य मिलती है। उन्होंने कहा कि इस प्रतिष्ठित परीक्षा में सफलता के बाद भी चयनित युवाओं के जीवन में नए परिश्रम का दौर शुरू होगा।

क्योंकि राष्ट्र निर्माण और गरीब कल्याण में लोक सेवक की महत्वपूर्ण भूमिका होती हैं। उन्होंने जीवन में विनम्रता एवं धैर्य को अपनाते हुए आमजन की आकांक्षाओं को पूरा करने का आह्वान किया।

लोकसेवा के जरिए देशभर में बढ़ाएं प्रदेश का गौरव

शर्मा ने कहा कि लोक सेवक प्रशासन के कर्णधार हैं तथा लोक सेवा का महत्व हमारे समाज और राष्ट्र के लिए असीमित है। इसलिए लोक सेवकों का नवाचारी होना महत्वपूर्ण है, ताकि आम लोगों को बेहतर नागरिक-केंद्रित सेवाएं प्रदान की जा सकें। उन्होंने आह्वान किया कि हमारे प्रदेश की मिट्टी ने हमेशा से वीरों, विद्वानों और कर्मठ लोगों को जन्म दिया है और अब वे सभी भी अपनी सेवा के माध्यम से गौरवमयी मिट्टी की खुशबू को फैलाएं और कर्मभूमि के साथ ही जन्मभूमि से जुड़े रहे। समारोह में मुख्य सचिव ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की सिविल सेवा में चयनित प्रतिभाओं के सम्मान की इस पहल से प्रदेश के होनहारों को प्रेरणा मिल रही है। उन्होंने कहा कि लोकसेवक के रूप में देश और समाज की सेवा का सौभाग्य चुनिंदा लोगों को ही मिल पाता है। महानिदेशक पुलिस ने कहा कि अपने सेवाकाल में हमेशा गरीब कल्याण को प्राथमिकता दें और अपनी सफलता में माता-पिता और परिजनों के योगदान को कभी नहीं भूले। समारोह में जयपुर निवासी दृष्टिबाधित मनु गर्ग ने मुख्यमंत्री से संवाद करते हुए बताया कि उन्होंने दृष्टिबाधित होने के बावजूद सिविल सेवा परीक्षा में देशभर में 91वां स्थान हासिल किया है। उन्होंने अपनी इस सफलता का मूल मंत्र अपनी माताजी के संकल्प को बताया। वहीं देशभर में 20वां स्थान हासिल करने वाले जोधपुर निवासी त्रिलोक सिंह ने बताया कि लोक सेवक के रूप में वे भारतीय सेना में सेवा दे चुके अपने पिता द्वारा दी गई प्रेरणा को आगे बढ़ाएंगे। मुख्यमंत्री ने चयनित प्रतिभाओं को शॉल ओढ़ाकर एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया।

जेकेके में विकसित होगा राजस्व आधारित मॉडल

क्यूआर कोड से जेकेके की वास्तुकला के साथ कई चीजों को आसानी से देख सकेंगे विजिटर्स

जयपुर। जेके के में एलईडी होर्डिंग्स, क्यूआर कोड, सीसीटीवी कैमरे सहित अन्य पर प्रदेश सरकार आठ करोड़ का आवंटित बजट देने की तैयारी में है। इसके लिए हाल ही में प्रदेश की उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी के सामने जवाहर कला केन्द्र की अति. महानिदेशक अलका मीणा ने प्रेजेंटेशन दिया। जानकारी के अनुसार दिया कुमारी ने केन्द्र के लिए आवंटित बजट राशि आठ करोड़ का रचनात्मक विकास कार्य, कला और कलाकारों के संरक्षण के लिए व्यावहारिक तौर पर राजस्व आधारित मॉडल विकसित किए जाने के निर्देश दिए। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि कलाकारों को नियमित मंच मिले तो कलाएं और क्राफ्ट जीवित और संरक्षित रहेंगे। इसको लेकर कलाकारों ने कहा कि इससे जेकेके एडवांस हो जाएगा और कलाकारों को इससे फायदा होगा। इन कार्यों से केन्द्र की रौनक दोगुनी हो जाएगी। अभी जेकेके में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों का प्रचार-प्रसार सोशल मीडिया के अलावा स्टैंडीज के माध्यम से होता है। अब एलईडी होर्डिंग्स से एक ही स्क्रीन पर कई कार्यक्रमों की जानकारी उपलब्ध होगी। पैसों की भी बचत होगी। वहीं, केन्द्र का पूरा डेटा डिजिटलाइज्ड होगा और सॉफ्टवेयर के माध्यम से सुरक्षित रखा जाएगा। इससे किसी भी कार्यक्रम या जेके के जानकारी ढूंढने में आसानी रहेगी।

कला प्रेमी क्यूआर कोड से जान सकेंगे केन्द्र का इतिहास

इस बजट से केन्द्र के विभिन्न स्थानों पर क्यूआर कोड लगेंगे। इससे कला प्रेमियों को इस केन्द्र के इतिहास और खूबियों के बारे में मोबाइल से ही जानकारी मिल जाएगी। इस दौरान इवेंट करवाने वाले इच्छुक लोगों को इस क्यूआर कोड को स्कैन करने के बाद गैलरी, ऑडिटोरियम की बुकिंग राशि, सीट, उपलब्धता सहित अन्य महत्वपूर्ण जानकारी मिलेगी। वर्तमान में यदि कोई विजिटर जेकेके आता है तो वह जेकेके की वास्तुकला के साथ-साथ कई चीजों को देखता है। लेकिन वह इनकी विस्तृत जानकारी से रूबरू नहीं हो पाता। क्योंकि उनके बारे में उसे बताने वाला कोई नहीं है।

एक नजर आवंटित बजट राशि से होने वाले कार्यों पर

केन्द्र के विभिन्न स्थानों पर लगेंगे क्यूआर कोड।

केन्द्र का डेटा डिजिटलाइज्ड, सॉफ्टवेयर माध्यम से होगा संचालित।

दैनिक आयोजनों व जानकारी के लिए विभिन्न जगहों पर लगाए जाएंगे एलईडी होर्डिंग्स, अभी बार-बार नए इवेंट के लिए बनते हैं होर्डिंग्स, बैनर्स।

लाइब्रेरी डिजिटल होगी जिससे बच्चों को और सुविधा मुहैया कराई जा सकेगी।

बिजली बचाने के लिए लगेंगे सोलर पैनल। जेकेके के साउथ जोन में लगेगी इंटरलॉकिंग टाइल्स। परिसर में लगेंगे सीसीटीवी कैमरे। ऑडिटोरियम में लगे साउंड सिस्टम भी होगा इम्प्रूव। आठ करोड़ बजट से केन्द्र के विभिन्न स्थानों पर क्यूआर कोड, डिजिटल लाइब्रेरी, एलईडी होर्डिंग्स सहित अन्य चीजों सहित जेकेके को हाइटेक करने का कार्य होगा।

अल्का मीणा (अति. महानिदेशक)

इस बजट का सदुपयोग नई पीढ़ी के युवा कलाकारों को आगे बढ़ाने के लिए अधिक होना चाहिए। केंद्र को यह भी ध्यान रखना चाहिए। साथ ही ज्यादा से ज्यादा बजट राज्य के कलाकारों पर खर्च होना चाहिए।

-अशोक राही (लेखक-निर्देशक)

हैदराबाद (एजेंसी), श्री परशुराम भक्त समाज द्वारा आयोजित कार्यक्रम शोभायात्रा में श्री परशुराम सेवा मंडल संस्थापक अध्यक्ष नवरत्न इंदौरिया अशोक शर्मा निर्मल शर्मा गिरीश जोशी शशिकांत शर्मा धर्माराम ढाका सूर्य शुक्ला अनिल कौशिक शोभा पांडे राजेश्वरी जोशी दत्ता बिरादर पुरुषोत्तम सिंह वीरेंद्र सिंह तिलक सिंह लोकेश इंदौरिया रोहण जोशी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने ली चिकित्सा विभाग की समीक्षा बैठक : स्वास्थ्य के कई मानकों में राजस्थान देश में बेहतर- सीएम

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि लू-तापघात और गर्मी जनित अन्य बीमारियों से आमजन को राहत पहुंचाने के लिए चिकित्सा विभाग पूरी तैयारी रखें। जिला कलक्टर नियमित तौर पर अस्पतालों निरीक्षण करें। उन्होंने कहा कि राज्य के सभी अस्पताल एवं स्वास्थ्य केन्द्रों का बेहतरीन रखरखाव किया जाए एवं किसी भी तरह की कमी पाए जाने पर जिम्मेदारों के खिलाफ कार्रवाई की जाए। शर्मा ने कहा कि गर्मी के मौसम में आमजन को बिजली, पानी एवं चिकित्सकीय सुविधाओं की निरंतर उपलब्धता राज्य सरकार की प्राथमिकता है। अधिकारी संवेदनशीलता के साथ पूरे समर्पण भाव से काम करें, जिससे लोगों को किसी भी तरह की परेशानी का सामना नहीं करना पड़े। सीएम शुक्रवार को सीएमआर पर प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर मिशन एवं राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे।

विश्वस्तरीय स्वास्थ्य सुविधाओं का विकास

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर मिशन के तहत राज्य में पब्लिक हेल्थ केयर के बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ कर विश्वस्तरीय स्वास्थ्य सुविधाओं का विकसित किया जा रहा है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि योजना के तहत प्रत्येक जिले में स्वास्थ्य के बुनियादी ढांचे को विकसित कर आत्मनिर्भर बनाया जाए तथा महामारियों से बचाव के लिए उच्च स्तर की तैयारियां की जाएं। उन्होंने कहा कि शहरी आयुष्मान आरोग्य मंदिर के तहत राज्य के शहरी क्षेत्रों में वंचित वर्ग को उच्च गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करवाई जा रही हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि विभाग इन आरोग्य मंदिर के लिए चिन्हित सरकारी अनुपयोगी जमीन को उपयोग में लें।

आरोग्य मन्दिरों में इस वर्ष तक प्रमुख 12 सेवाएं

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को मुख्यमंत्री के आयुष्मान आरोग्य हेल्थ इन्फ्रास्ट्रक्चर मिशन के तहत चिकित्सा के आधारभूत ढांचे को मजबूत करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में संचालित सभी आयुष्मान आरोग्य मन्दिरों में इस वर्ष तक प्रमुख 12 सेवाएं मिलनी सुनिश्चित की जाएं। उन्होंने एम्बुलेंस सेवाओं की समीक्षा करते हुए कहा कि अत्याधुनिक चिकित्सकीय सुविधाओं से लैस करते हुए इनकी नियमित मॉनिटरिंग की जाए। उन्होंने कहा कि अस्पतालों में एक्सरे, सोनोग्राफी एवं डायलिसिस मशीनों की संख्या बढ़ाई जाए तथा इन सभी मशीनों को हर समय कार्यशील रखने के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं की जाएं।

आभा आईडी का ज्यादा उपयोग

सीएम ने कहा कि राजस्थान डिजिटल हेल्थ मिशन के तहत प्रदेशवासियों का स्वास्थ्य रिकॉर्ड डिजिटल रूप से संधारित करने के लिए प्रदेश के हर व्यक्ति की न केवल आभा आईडी बनाई जाए, बल्कि यह भी सुनिश्चित किया जाए कि आभा आईडी का अधिक से अधिक उपयोग शीघ्र प्रारम्भ हो। बैठक में नव-निर्मित उपस्वास्थ्य केन्द्र, इन्टीग्रेटेड पब्लिक हेल्थ लैब, क्रिटीकल केयर ब्लॉक, मा वाउचर योजना, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत राज्य में योजना की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई।

आरसीसी बॉक्स डालने के कार्य के कारण रेल यातायात प्रभावित, ट्रेन रहेगी रद्द

जयपुर। उत्तर पश्चिम रेलवे की ओर से अजमेर मण्डल के मदार मारवाड जंकशन रेलखण्ड के मध्य मारवाड यार्ड में ब्रिज संख्या 588 पर आरसीसी बॉक्स डालने के कारण रेल यातायात प्रभावित रहेगा। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी शशि किरण के अनुसार उपरोक्त कार्य के कारण जयपुर-मारवाड़ जंक्शन रेलसेवा 5 मई को जयपुर से प्रस्थान कर ब्यावर तक संचालित होगी। यह रेलसेवा ब्यावर-मारवाड़ जंक्शन के मध्य, मारवाड़ जंक्शन-जयपुर रेलसेवा 5 मई को मारवाड़ जंक्शन के स्थान पर ब्यावर से संचालित होगी। यह रेलसेवा मारवाड़ जंक्शन- ब्यावर के मध्य आंशिक रद्द रहेगी।

इसी प्रकार श्रीगंगानगर-बान्द्रा टर्मिनस रेलसेवा 4 मई को श्रीगंगानगर से प्रस्थान कर अजमेर-धारेश्वर के बीच 1 घंटे 15 मिनट, काठगोदाम-जैसलमेर रेलसेवा 4 मई को काठगोदाम से प्रस्थान कर अजमेर-धारेश्वर के बीच 1 घंटे रेगूलेट रहेगी। वहीं जैसलमेर-काठगोदाम रेलसेवा 5 मई को परिवर्तित मार्ग जोधपुर, मेडता रोड, फुलेरा होकर संचालित होगी एवं परिवर्तित मार्ग में यह रेलसेवा मेडता रोड व डेगाना स्टेशनों पर ठहराव करेगी।

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 1.983 अरब डॉलर बढ़कर 688.129 अरब डॉलर पर

आरबीआई के आंकड़े जारी

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 25 अप्रैल को समाप्त सप्ताह के दौरान 1.983 अरब अमेरिकी डॉलर की वृद्धि के साथ लगभग 688.129 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शुक्रवार इसके आंकड़े जारी किए।

आरबीआई के अनुसार, लगातार आठवें हफ्ते में विदेशी मुद्रा भंडार में वृद्धि देखी गई। पिछले सप्ताह की बात करें तो यह बढ़कर 8.31 अरब अमेरिकी डॉलर की बढ़त के साथ 686.145

अरब अमेरिकी डॉलर पर पहुंचा था। पिछले साल सितंबर के अंत में यह भंडार 704.885 अरब अमेरिकी डॉलर के साथ सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गया था।

आंकड़ों के अनुसार 25 अप्रैल को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा संपत्ति, जो भंडार का बड़ा हिस्सा है। यह लगभग 2.168 अरब डॉलर बढ़कर 580.633 अरब डॉलर हो गई। विदेशी भंडार में रखे जाने वाले अमेरिकी इकाइयों जैसे यूरो, पाउंड और येन जैसी मुद्राओं के मूल्य में बदलाव का असर भी शामिल है। देश का स्वर्ण भंडार इस हफ्ते 207 अरब डॉलर बढ़कर 84.365 अरब डॉलर रहा। शीर्ष बैंक ने कहा कि आईएमएफ में भारत का विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 21 मिलियन अमेरिकी डॉलर बढ़कर 18.589 अरब अमेरिकी डॉलर पहुंच गया। शीर्ष बैंक के आंकड़ों के अनुसार, समीक्षाधीन सप्ताह में आईएमएफ के पास भारत की आरक्षित स्थिति भी 20 लाख डॉलर बढ़कर 4.512 अरब अमेरिकी डॉलर हो गई।

जीएसटी में एकबार की माफी योजना लाएगी सरकार, व्यापारियों के लिए बड़ी खुशखबरी

नईदिल्ली, एजेंसी। जीएसटी को लेकर व्यापारी समुदाय में लगातार नाराजगी बनी रही है। व्यापारियों का कहना है कि बार-बार जीएसटी भरना उनके लिए एक कठिन काम हो गया है और इससे उनके कामकाज प्रभावित होते हैं। साथ ही समझने में कमी के चलते कई बार व्यापारियों को हर्जाना भी भुगतना पड़ता है। लेकिन इस बार जीएसटी को लेकर ऐसी खबर आई है जिसका पूरा व्यापारी समुदाय स्वागत करेगा। दिल्ली की रेखा गुप्ता सरकार ने

जीएसटी के पुराने पड़े विवादित मामलों को सुलझाने के लिए एक बार जीएसटी माफी योजना लाएगी। इसके अंतर्गत व्यापारी जीएसटी के पुराने विवादों का निबटारा कर सकेंगे और नए तरीके से जीएसटी भरने की शुरुआत कर सकेंगे। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने एक कार्यक्रम में कहा कि जीएसटी को लेकर व्यापारियों की बड़ी शिकायतें रही हैं। लेकिन सरकार व्यापारियों का सहयोग करते हुए इसका उचित समाधान पेश करने की कोशिश करेगी। सबसे पहले जीएसटी के पुराने मामलों के निबटारे के लिए एकमुश्त जीएसटी माफी योजना लागू की जाएगी। इसके बाद व्यापारी नए तरीके से टैक्स का आसानी से भुगतान कर सकेंगे। वेयरहाउसिंग एवं इंडस्ट्रियल पालिसी शीघ्र रोजगार को बढ़ावा देने के लिए सरकार नई इंडस्ट्रियल पॉलिसी लेकर आएगी।

भारत ने बना दिया रिकॉर्ड...

825 अरब डॉलर पहुंच गया देश का कुल निर्यात, पाकिस्तान से 23 गुना ज्यादा

नई दिल्ली, एजेंसी। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने शुक्रवार को एक बड़ी खबर दी। भारत का कुल निर्यात वित्त वर्ष 2025 (एफवाय25) में 824.9 अरब डॉलर तक पहुंच गया। यह अब तक का सबसे ऊंचा आंकड़ा है। पिछले साल के मुकाबले इसमें 6 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। भारत का यह निर्यात पाकिस्तान के निर्यात के मुकाबले 23 गुने से ज्यादा है। पाकिस्तान का साल 2023 में कुल निर्यात 35.8 अरब डॉलर था।

वहीं भारत के सर्विस एक्सपोर्ट ने एक नया रेकॉर्ड बनाया है। यह 387.5 अरब डॉलर तक पहुंच गया है। एफवाय24 के मुकाबले इसमें 13.6त्न की वृद्धि हुई है। एफवाय24 में यह आंकड़ा 341.1 अरब डॉलर था। मंत्रालय ने बताया कि मार्च 2025 में सर्विस एक्सपोर्ट 35.6 अरब डॉलर रहा। पिछले साल मार्च के मुकाबले इसमें 18.6त्न की बढ़ोतरी हुई है। मार्च

2024 में यह 30 अरब डॉलर था। वित्त वर्ष 2024-25 में पेट्रोलियम उत्पादों को छोड़कर माल निर्यात 374.1 अरब डॉलर रहा। यह भी एक रेकॉर्ड है। पिछले साल के मुकाबले इसमें 6त्न की बढ़ोतरी हुई है। एफवाय24 में यह 352.9 अरब डॉलर था। यह पेट्रोलियम उत्पादों को छोड़कर सबसे ज्यादा सालाना माल निर्यात है।

वैश्विक चुनौती में भी किया कमाल-वाणिज्य सचिव सुनील बर्थवाल ने कहा कि पिछला वित्तीय वर्ष दुनिया भर में हो रही घटनाओं के कारण मुश्किल था। उन्होंने यह भी कहा कि वैश्विक चुनौतियों के बावजूद, माल निर्यात और कुल निर्यात 2024-25 में उच्चतम आंकड़े तक पहुंच गया। इसका मतलब है कि भारत ने सबसे ज्यादा निर्यात किया।

माल व्यापार घाटे भी बढ़ा

वित्त वर्ष 25 में भारत का माल व्यापार घाटा बढ़कर 282.82 अरब डॉलर हो गया। एफवाय24 में यह 241.14 अरब डॉलर था। व्यापार घाटा का मतलब है कि भारत ने जितना सामान बेचा, उससे ज्यादा खरीदा।

आईएमएफ और वैश्विक एजेंसियों से पाकिस्तान की फंडिंग पर फिर से सोचने को कहेगा

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत आईएमएफ समेत वैश्विक बहुपक्षीय एजेंसियों से पाकिस्तान को दिए जाने वाले फंड और लोन पर फिर से विचार करने के लिए कहेगा। सरकार से जुड़े सूत्रों ने यह जनकारी दी है। पिछले महीने पहलगाम में हुए नृशंस आतंकी हमले के बाद भारत पाकिस्तान को कूटनीतिक रूप से घेरना चाहता है। हमले में 26 पर्यटक मारे गए थे। एक सरकारी सूत्र ने कहा, हम सभी बहुपक्षीय एजेंसियों से पाकिस्तान को दिए जाने वाले लोन और सहायता की समीक्षा करने के लिए कहेंगे। आईएमएफ कार्यकारी बोर्ड विस्तारित वित्तपोषण सुविधा की पहली समीक्षा के लिए 9 मई को पाकिस्तानी अधिकारियों से मिलने वाला है। आईएमएफ बोर्ड अपने जलवायु परिवर्तन ऋण कार्यक्रम के तहत पाकिस्तान के लिए 1.3 बिलियन अमेरिकी डॉलर की नई व्यवस्था का मूल्यांकन करेगा।

यह मौजूदा 7 बिलियन अमेरिकी डॉलर के बेलआउट पैकेज का भी मूल्यांकन करेगा। 31 दिसंबर, 2024 तक, एशियाई विकास बैंक ने पाकिस्तान को 764 सार्वजनिक क्षेत्र के ऋण, अनुदान और तकनीकी सहायता देने की प्रतिबद्धता जताई है, जिसकी कुल कीमत 43.4 बिलियन अमेरिकी डॉलर है। पाकिस्तान में एडीबी के मौजूदा सॉवरेन पोर्टफोलियो में 9.13 बिलियन अमेरिकी डॉलर के 53 ऋण और 3 अनुदान शामिल हैं। एडीबी बाढ़ की आशंका वाले लगभग 900 किलोमीटर ग्रामीण सड़कों को बेहतर बनाने के लिए खैबर पख्तूनख्वा ग्रामीण सड़क विकास परियोजना के लिए 320 मिलियन अमेरिकी डॉलर का ऋण देने की प्रतिबद्धता जताई है। विश्व बैंक ने नकदी संकट से जूझ रहे देश पाकिस्तान के लिए जनवरी 2025 में 20 अरब डॉलर के ऋण पैकेज को मंजूरी दी थी।

मस्क की कंपनी स्टारलिंक का पाकिस्तान-बांग्लादेश कनेक्शन, भारत ने मांग ली कामकाज की जानकारी

नई दिल्ली, एजेंसी। एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स की सैटेलाइट इंटरनेट सर्विस, स्टारलिंक जांच के घेरे में है। बिजनेस स्टैंडर्ड की एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत सरकार ने स्टारलिंक से पाकिस्तान और बांग्लादेश में उसके कामकाज के बारे जानकारी मांगी है। सरकार यह जानना चाहती है कि कंपनी इन देशों में कैसे काम करेगी। यह सख्ती तब हो रही है जब भारत और पाकिस्तान के रिश्ते खराब हो गए हैं। कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर हुए आतंकी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ कई कदम उठाए हैं। इसमें सिंधु जल संधि को रोकना, अटारी बॉर्डर को बंद करना आदि शामिल है। पाकिस्तान ने भी जवाब में अपने हवाई क्षेत्र को भारतीय विमानों के लिए बंद कर दिया और व्यापार रोक दिया।

भारत में भी तैयारी

भारत में स्टारलिंक को नवंबर 2022 से मंजूरी नहीं मिली है। लेकिन हाल ही में कंपनी ने यहां कुछ समझौते किए हैं। स्टारलिंक ने रिलायंस जियो और भारती एयरटेल के साथ डील की है। माना जा रहा है कि इससे स्टारलिंक जल्द ही भारत में सैटेलाइट इंटरनेट सर्विस शुरू कर पाएगी।

सुरक्षा चिंता को लेकर सामने आई बात- इन तनावों के बीच भारत सरकार को स्टारलिंक के क्षेत्रीय कामकाज को लेकर चिंता है। दूरसंचार विभाग के एक अधिकारी ने बिजनेस स्टैंडर्ड को बताया कि अभी भी कुछ सुरक्षा चिंताएं हैं। भारत में कम्युनिकेशन सर्विस देने के लिए, कई तकनीकी नियमों को पूरा करना होता है। यानी भारत सरकार यह सुनिश्चित करना चाहती है कि स्टारलिंक भारत की सुरक्षा के लिए खतरा न बने।

सोने में आई सात हजार रुपए तक की गिरावट?

नईदिल्ली, एजेंसी। बीते कुछ दिनों से सोने के दाम में जारी तेजी फिलहाल थमती हुई नजर आ रहा रही है। बीते कुछ दिनों में सोना अपने रिकॉर्ड स्तर एक लाख रुपए से 7 हजार गिरकर 93 हजार प्रति 10 ग्राम तक आ गया। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन के अनुसार शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का भाव 407 रुपए गिरकर 93,954 रुपए तक आ गया है। इससे पहले 10 ग्राम सोने की कीमत 94,361 रुपए थी। जबकि अब एक किलो चांदी की कीमत 94,125 रुपए प्रति किलो हो गई है। इससे पहले सोने ने 21 अप्रैल को 99,100 रुपए का और 28 मार्च को चांदी ने 1,00,934 रुपए का ऑल टाइम हाई बनाया था।

शुक्रवार को सोने-चांदी की कीमतों में तेजी

अखिल भारतीय सर्राफा संघ के आंकड़ों पर नजर डालें तो विदेशों में मजबूती के रुख के बीच आभूषण विक्रेताओं की ताजा लिवाली से शुक्रवार को राष्ट्रीय राजधानी में सोने का भाव 1,080 रुपये बढ़कर 96,800 रुपये प्रति दस ग्राम हो गया। गुरुवार को 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाली यह बहुमूल्य धातु 2,830 रुपए गिरकर 95,720 रुपए प्रति 10 ग्राम पर आ गई थी। 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने का भाव 180 रुपए बढ़कर 96,350 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया। पिछले कारोबारी सत्र में यह 1,930 रुपए घटकर 96,170 रुपए प्रति 10 ग्राम रह गया था। शुक्रवार को चांदी की कीमतों में भी तेजी दिखी। एक किलोग्राम चांदी का भाव शुक्रवार को 1600 रुपये चढ़कर 97,100 रुपये पर पहुंच गया। पिछले सत्र में चांदी 95,500 रुपये के भाव पर कारोबार करती दिखी।

सोने में आगे क्या हो सकता है?

सोने की कीमतों में आई इस गिरावट के पीछे दो प्रमुख कारण बताए जा रहे हैं। पहला, डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपए का मजबूत होना। शुक्रवार को रुपया 40 पैसे की मजबूती के साथ 84 रुपए प्रति डॉलर से नीचे पहुंच गया, जो पिछले सात महीनों में सबसे मजबूत स्तर है। दूसरा कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने की कीमतों में नरमी है। फिलहाल वैश्विक बाजार में सोना 3,265 डॉलर प्रति औंस के करीब बना हुआ है, जबकि 22 अप्रैल को यह 3,500 डॉलर प्रति औंस तक पहुंच गया था। इस गिरावट से आम लोगों के लिए सोना खरीदने का अच्छा मौका बन सकता है, लेकिन विशेषज्ञों का कहना है कि बाजार में अस्थिरता बनी रह सकती है और निवेश से पहले सोच-समझकर कदम उठाना चाहिए।

पंजाब नेशनल बैंक ने एफडी पर फिर से घटाई ब्याज दर

नईदिल्ली, एजेंसी। पंजाब नेशनल बैंक ने फिर से अपनी फिक्स्ड डिपॉजिट की ब्याज दरों में बदलाव किया है। यह बदलाव 3 करोड़ रुपये से कम की एफडी पर किया गया है। बैंक ने अप्रैल 2025 में भी ऐसा ही बदलाव किया था। इस बार, बैंक ने कुछ खास समय वाली एफडी पर ब्याज दरों को 25 बेसिस पॉइंट्स तक घटा दिया है। नई दरें 1 मई, 2025 से लागू हो गई हैं।

ब्याज दरों में बदलाव के बाद पंजाब नेशनल बैंक आम नागरिकों को 7 दिनों से लेकर 10 साल तक की एफडी पर 3.50 प्रतिशत से 7.10 प्रतिशत तक ब्याज दे रहा है। सबसे ज्यादा ब्याज दर 390 दिनों की एफडी पर मिल रही है। यह 7.10 प्रतिशत है।

किसके लिए कितनी दर?

पीएनबी ने आम नागरिकों के लिए 3 करोड़ रुपये से कम की जमा पर ब्याज दरें

कम की गई हैं। 180 से 270 दिनों की एफडी पर ब्याज दर 6.25 प्रतिशत से घटाकर 6 प्रतिशत कर दी गई है। इसी तरह, 271 से 299 दिनों की एफडी पर ब्याज दर 6.5 प्रतिशत से घटाकर 6.25 प्रतिशत कर दी गई है। 303 दिनों की एफडी पर ब्याज दर 6.4 प्रतिशत से घटाकर 6.15 प्रतिशत कर दी गई है। 304 दिनों से लेकर 1 साल से कम की एफडी पर ब्याज दर अब 6.5 प्रतिशत की जगह 6.25 प्रतिशत होगी। 1 साल की एफडी पर ब्याज दर 6.8 प्रतिशत से घटाकर 6.7 प्रतिशत कर दी गई है।

सीनियर सिटिजंस के दर

60 साल से ऊपर और 80 साल से कम उम्र के वरिष्ठ नागरिकों को 5 साल तक की एफडी पर 50 बेसिस पॉइंट्स ज्यादा ब्याज मिलेगा। 5 साल से ज्यादा की एफडी पर उन्हें 80 बेसिस पॉइंट ज्यादा ब्याज मिलेगा। यह नियम 3 करोड़ रुपये से कम की जमा पर लागू होगा। वरिष्ठ नागरिकों को अब 4.00 प्रतिशत से 7.60 प्रतिशत तक ब्याज मिलेगा।

वहीं 80 साल या उससे ज्यादा उम्र के सुपर सीनियर नागरिकों को सभी तरह की एफडी पर 80 बेसिस पॉइंट ज्यादा ब्याज मिलेगा। बदलाव के बाद, सुपर सीनियर नागरिकों को 4.30 प्रतिशत से 7.90 प्रतिशत तक ब्याज मिलेगा।

इस बैंक ने भी किया बदलाव

बंधन बैंक ने भी 3 करोड़ रुपये से कम की एफडी पर ब्याज दरों में बदलाव किया है। अब यह बैंक आम नागरिकों को 7 दिनों से लेकर 10 साल तक की एफडी पर 3 प्रतिशत से 7.75 प्रतिशत तक ब्याज देगा। वरिष्ठ नागरिकों को 3.75 प्रतिशत से 8.25 प्रतिशत तक ब्याज मिलेगा। सबसे ज्यादा ब्याज दर, जो कि 7.75 प्रतिशत और 8.25 प्रतिशत है, 1 साल की एफडी पर मिल रही है। नई दरें 1 मई, 2025 से लागू हो गई हैं।

विनिर्माण क्षेत्र की गतिविधियां 10 महीने के शीर्ष पर

नए ऑर्डर की रफ्तार 14 साल में सबसे ज्यादा

नईदिल्ली, एजेंसी। देश के विनिर्माण क्षेत्र की गतिविधियां अप्रैल, 2025 में सुधरकर 10 महीने के उच्च स्तर पर पहुंच गईं। इसमें नए ऑर्डर में मजबूत वृद्धि की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। एचएसबीसी इंडिया विनिर्माण खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) पिछले महीने बढ़कर 58.2 पहुंच गया, जो जून, 2024 के बाद सबसे ज्यादा है। मार्च में विनिर्माण पीएमआई 58.1 रहा था। एचएसबीसी इंडिया की मुख्य अर्थशास्त्री प्रांजुल भंडारी ने कहा, नए निर्यात ऑर्डर में उल्लेखनीय वृद्धि भारत में उत्पादन में संभावित बदलाव का संकेत दे सकती है। व्यवसाय उभरते व्यापार परिदृश्य और अमेरिकी शुल्क घोषणाओं के अनुकूल हो रहे हैं। इस सकारात्मक प्रवृत्ति के साथ रोजगार और खरीद गतिविधि में बड़ा उछाल देखने को मिला है।

कीमतों के मोर्चे पर भंडारी ने कहा, भारतीय वस्तुओं की मजबूत मांग ने कंपनियों की मूल्य निर्धारण क्षमता को बढ़ावा दिया। इससे कच्चे माल की लागत में मामूली वृद्धि के बावजूद बिक्री शुल्क अक्तूबर, 2013 के बाद सबसे अधिक बढ़ गया। भंडारी ने कहा, अप्रैल के आंकड़े बताते हैं कि विनिर्माण क्षेत्र की कंपनियों में आने वाले वर्ष में उत्पादन बढ़ने की संभावनाओं को लेकर धारणा मजबूत है। यह मांग में मजबूती की उम्मीदों से प्रेरित है।

नए ऑर्डर की रफ्तार 14 साल में सबसे ज्यादा

सर्वे के मुताबिक, उत्पादन के मोर्चे पर सुधार में योगदान देने वाला एक प्रमुख कारक नए व्यवसाय में तेज वृद्धि रही। विनिर्माण क्षेत्र की विस्तार दर को बेहतर घरेलू और अंतरराष्ट्रीय मांग से समर्थन मिला। वित्त वर्ष 2025-26 की शुरुआत में घरेलू विनिर्माण कंपनियों को विदेश से मिलने वाला नया ऑर्डर 14 वर्ष में सबसे अधिक तेजी से बढ़ा। अफ्रीका, एशिया, यूरोप, पश्चिम एशिया और अमेरिका से घरेलू कंपनियों को सबसे ज्यादा ऑर्डर मिले।

20 साल में 1.55 लाख करोड़ की संपत्ति अटैच

100 पीएमएलए अदालतें फिर भी मामलों में हो रही देरी

नईदिल्ली, एजेंसी। प्रवर्तन निदेशालय की ताजा रिपोर्ट के अनुसार 50,000 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ती की जब्ती मुकदमेबाजी और स्थगन आदेश के कारण अटकी पड़ी है। इन संपत्तियों को ईडी ने धन शोधन निवारण कानून के तहत अनंतिम रूप से अटैच किया था।

जांच एजेंसी को धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत जांच के दौरान उन संपत्तियों को अस्थायी रूप से अटैच करने का अधिकार है, जिनके बारे में संदेह है कि वे अपराध की आय हैं। इस तरह के अनंतिम आदेश को जारी होने के 180 दिनों के भीतर उक्त कानून के न्यायाधिकरण की ओर से पुष्टि की जानी चाहिए। रिपोर्ट के अनुसार ईडी ने 2005 से लेकर 2025 तक पीएमएलए के प्रभावी होने के बाद से 1.55 लाख करोड़ रुपये की संपत्ति अचैट की है, जिनमें से 1.07 करोड़ रुपये मूल्य की संपत्तियों की पुष्टि वित्तीय वर्ष 2024-25 के अंत तक न्यायाधिकरण की ओर से की जा चुकी है, लेकिन कानूनी बाधाओं के कारण 50 हजार करोड़ रुपये से अधिक की जब्ती अभी भी अटकी हुई है।

ईडी ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि देशभर में 100 विशेष पीएमएलए अदालतें होने के बावजूद मनी लॉन्ड्रिंग मामलों की सुनवाई समय पर पूरी नहीं हो पाती। इसमें व्यवस्थागत व प्रक्रियात्मक बाधाएं आ रही हैं। कई अदालतें अन्य कानूनों के तहत मामलों के बोझ से दबी हुई हैं। रिपोर्ट में कहा गया है, अक्सर अंतरिम आवेदन, रिट याचिका और जमानत के मामले दायर होने से मुकदमे बाधित होते हैं। इनमें से कुछ मामले हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचते हैं, जिससे पीएमएलए के तहत मुकदमों की निरंतरता और शीघ्र निपटान प्रभावित होता है।

ईडी की सजा दर 93 प्रतिशत

इस बीच बीते बृहस्पतिवार को ईडी दिवस पर आयोजित एक कार्यक्रम में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के निदेशक राहुल नवीन ने कहा कि एजेंसी की सजा दर 93.6 प्रतिशत है। क्योंकि अब तक अदालतों की ओर से तय किए गए 47 मामलों में से केवल तीन मामलों में ही आरोपी बरी हुआ है। एजेंसी प्रमुख ने कहा कि वह स्पष्ट रूप से स्वीकार करते हैं कि धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत शुरू की गई कई जांचें बहुत लंबे समय से लंबित थीं, लेकिन इस साल हमारा ध्यान जांच पूरी करने और आखिरी आरोपपत्र तेजी से दाखिल करने के प्रयासों पर है।

गुजरात टाइटन्स से हारकर भी IPL प्लेऑफ की रेस में कायम है सनराइजर्स हैदराबाद...

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 में सनराइजर्स हैदराबाद (SRH) का प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा है. सनराइजर्स हैदराबाद को अब गुजरात टाइटन्स के हाथों 38 रनों से हार का सामना करना पड़ा. 2 मई (शुक्रवार) को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में आयोजित मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद को जीत के लिए 225 रनों का टारगेट मिला था, जिसका पीछा करते हुए वो छह विकेट पर 186 रन ही बना सकी.

मौजूदा सीजन में सनराइजर्स हैदराबाद की ये 10 मैचों में सातवीं हार रही. सनराइजर्स हैदराबाद के सिर्फ 6 अंक हैं और वो दस टीमों की अंक तालिका में नौवें पायदान पर है. सनराइजर्स हैदराबाद को लीग स्टेज में 4 मुकाबले और खेलने हैं. अब फैन्स के मन में ये सवाल जरूर होगा कि सनराइजर्स हैदराबाद क्या अब भी प्लेऑफ में पहुंच सकती है? तो इसका जवाब है- हां. लेकिन इसके लिए सनराइजर्स हैदराबाद को किस्मत का भी सहारा चाहिए... आमतौर पर प्लेऑफ में क्वालिफाई करने के लिए कम से कम 16 अंक चाहिए होते हैं. लेकिन कभी-कभी 14 अंकों पर भी टीमें क्वालिफाई कर जाती हैं, अगर उनका नेट रन रेट अच्छा हो. जैसे कि पिछले आईपीएल सीजन में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने 14 अंकों के साथ प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई किया था. पिछले सीजन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु शुरुआती आठ मैचों में से केवल एक ही जीत पाई थी.

लेकिन, उसने अपने आखिरी छह मैच जीतकर प्लेऑफ में जगह बनाई. सनराइजर्स हैदराबाद को 14 अंकों तक पहुंचने के लिए बाकी के चार मैच बड़े अंतर से जीतने होंगे, ताकि उसका नेट रनरेट सुधर सके.

वर्तमान में सनराइजर्स हैदराबाद का नेटरन रेट -1.192 है. हालांकि ये भी शायद पर्याप्त नहीं होगा क्योंकि उसका भाग्य अन्य टीमों के नतीजों पर भी निर्भर करेगा. सनराइजर्स हैदराबाद को उम्मीद करनी होगी कि उसके अलावा अधिकतम 3 टीमें ही 14 या उससे ज्यादा अंक हासिल करें.

नेमार को 2026 विश्व कप तक अपने साथ बनाए रखना चाहता है सैंटोस

रियो डी जेनेरियो, एजेंसी। सैंटोस क्लब नेमार का कॉन्ट्रैक्ट अगले साल होने वाले फीफा विश्व कप तक बढ़ाना चाहता है, भले ही नेमार इस समय चोटों से जूझ रहे हों। सैंटोस के प्रेसिडेंट मार्सेलो टक्सेइरा ने इसकी जानकारी दी। नेमार ने इस साल जनवरी में अपने बचपन के क्लब सैंटोस में वापसी की थी। वह यूरोप और सऊदी अरब में खेल चुके हैं। रिपोर्ट के अनुसार उन्होंने छह महीने का कॉन्ट्रैक्ट साइन किया है। मार्सेलो टक्सेइरा ने कहा, हम तकनीकी रूप से यह देखने की कोशिश कर रहे हैं कि नेमार की रिकवरी और मैदान पर उनकी मौजूदगी को किस तरह इस तरह बदला जाए कि वह अपना कॉन्ट्रैक्ट बढ़ाने के लिए तैयार हो जाएं और अगले साल के वर्ल्ड कप तक टीम में बने रहें।

नेमार पिछले साल अक्टूबर में घुटने की गंभीर चोट से वापसी के बाद से पैर की मांसपेशियों की कई समस्याओं से परेशान हैं। उन्होंने सैंटोस के लिए अब तक सिर्फ 9 मैच खेले हैं, जिसमें उन्होंने 3 गोल किए और 3 असिस्ट दिए हैं।

टक्सेइरा ने कहा, जब हमने नेमार को वापस लिया, हमें पता था कि वह एक गंभीर चोट से उबर रहे हैं। इसलिए हमने अपनी पूरी टीम और जरूरी व्यवस्था उनके लिए उपलब्ध कराई ताकि वह पूरी तरह ठीक हो सकें। नेमार यहां खुश हैं, यह उनका घर है।

फिलहाल सैंटोस क्लब ब्राजील की सीरी ए लीग में 20 टीमों में 19वें स्थान पर है। उसने छह मैचों में सिर्फ चार अंक हासिल किए हैं। हाल ही में क्लब ने ब्राजील की राष्ट्रीय टीम के पूर्व सहायक कोच क्लेबर जेवियर को नया कोच नियुक्त किया है। उन्होंने पेड्रो कैक्सीन्हा की जगह ली है।

अपनी पहली प्रेस कॉन्फ्रेंस में जेवियर ने कहा कि नेमार अब पहले की तरह लेफ्ट विंग पर नहीं खेलेंगे, जहां उन्होंने बार्सिलोना में अपनी पहचान बनाई थी।

उन्होंने कहा, नेमार अब मिडफील्ड में खेलते हैं जहां से वह अटैक को शुरू भी करते हैं और खत्म भी करते हैं। ब्राजील के पूर्व कोच टिटे ने उन्हें 'धनुष और बाण' दोनों कहा था, क्योंकि वह खेल की दिशा तय करते हैं और खुद भी गोल करते हैं। मैं उन्हें यहां भी इसी भूमिका में देखता हूं।

शुभमन गिल पर लगेगा बैन...

अंपायर से लड़ने पर BCCI का कौन सा नियम तोड़ा?

अहमदाबाद, एजेंसी। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में गुजरात टाइटंस और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच आईपीएल 2025 का 51वां मैच हुआ। यह मैच सिर्फ स्कोरबोर्ड पर ही नहीं, बल्कि मैदान पर भी गरमागरम रहा। इस मैच में गुजरात ने 38 रनों से महत्वपूर्ण जीत हासिल की। इस जीत से टीम को प्लेऑफ की दौड़ में दो महत्वपूर्ण अंक मिले। लेकिन गुजरात के कप्तान शुभमन गिल अंपायरों के साथ बहस करते हुए दिखाई दिए। शुभमन गिल की अंपायरों के साथ हुई बहस ने सबका ध्यान खींचा। गिल पर आईपीएल की आचार संहिता के उल्लंघन का आरोप लग सकता है।

अंपायर्स से लड़ गए शुभमन गिल

शुभमन गिल ने 38 गेंदों में 76 रन बनाए। वह दो बार मैच अधिकारियों के साथ बहस करते हुए दिखाई दिए। दोनों बार उन्होंने आईपीएल की आचार संहिता के अनुच्छेद 2.8 का उल्लंघन किया। यह अनुच्छेद अंपायर के फैसले पर असहमति जताने से संबंधित है। पहली घटना गुजरात की पारी के 13वें ओवर के अंत में हुई। गिल को विवादास्पद तरीके से रन आउट दिया गया। वह तीसरे अंपायर के फैसले से नाखुश थे। इसलिए वह डगआउट में जाते समय चौथे अंपायर से बहस करते हुए दिखाई दिए।

दूसरी बार भी हुई बहस

बाद में, हैदराबाद की पारी के दौरान, गिल फिर से उत्साहित दिखे। इस बार उन्होंने अभिषेक शर्मा के खिलाफ एलबीडब्ल्यू की अपील की। रिव्यू लिया, लेकिन डीआरएस में यह नहीं दिखाया गया कि गेंद कहां पिच हुई थी। इससे भ्रम पैदा हो गया। गिल ने मैदान पर मौजूद अंपायरों के साथ लंबी चर्चा की। अभिषेक को खुद उन्हें शांत करना पड़ा। गिल का व्यवहार आचार संहिता के अनुच्छेद 2.8 के कम से कम दो खंडों का उल्लंघन करता हुआ दिखता है। ये खंड हैं- अंपायर के फैसले पर अत्यधिक, स्पष्ट निराशा और अंपायर के साथ बहस करना या लंबी चर्चा में शामिल होना। इन कार्यों को आईपीएल आचार संहिता के तहत लेवल 1 या लेवल 2 का अपराध माना जा सकता है।

महिला क्रिकेट में मर्दों की नो-एंट्री

नई दिल्ली, एजेंसी। अभी पिछले साल की ही बात है, जब पेरिस ओलंपिक्स 2024 में इमेन खलीफ को लेकर जमकर विवाद हुआ था. आरोप लगाए गए थे कि टेस्टोस्टेरोन लेवल अधिक होने के बावजूद उन्होंने महिला बॉक्सिंग इवेंट में भाग लिया था. अब इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड ने महिला क्रिकेट टीम में ट्रांसजेंडर महिलाओं की एंट्री पर पूरी तरह रोक लगा दी है. ईसीबी ने साफतौर पर कहा है कि जो खिलाड़ी बायोलॉजिकल रूप से महिला हैं, उन्हें ही टीम का हिस्सा बनाया जाएगा. ईसीबी ने यह भी कहा कि ट्रांसवुमन और महिलाएं ओपन और मिक्स्ड कैटेगरी में एकसाथ खेल सकती हैं. इंग्लैंड के मीडिया चैनल बीबीसीअनुसार यूके के सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुनाया कि महिला होने की परिभाषा जैविक लिंग पर आधारित है. इसी फैसले के बाद नियमों में परिवर्तन लाया गया है. बता दें कि इस मामले में जजों ने 88 पेज का फैसला सुनाया है. शुक्रवार को हुई बोर्ड मीटिंग में भी इस फैसले पर सहमति जताई गई.

इंग्लैंड और स्कॉटलैंड के फुटबॉल संघों ने गुरुवार को ही नई पॉलिसी लागू कर दी थी, जिसके तहत ट्रांस वुमन को महिला फुटबॉल टीम में खेलने की अनुमति नहीं होगी.

आईपीएल 2025

धर्मशाला में सुपरजायंट्स ने बहाया पसीना, पंजाब किंग्स ने की नेटप्रैक्टिस

धर्मशाला, एजेंसी। टीम के खिलाड़ियों ने कोच जस्टिन लेंगर और कप्तान ऋषभ पंत की मौजूदगी में गेंदबाजी और बल्लेबाजी का अभ्यास किया। इसके अलावा पंजाब के सिर्फ दो से तीन खिलाड़ियों ने ही बल्लेबाजी का अभ्यास किया।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम धर्मशाला में 4 मई को पंजाब के साथ होने वाले आईपीएल मैच के लिए लखनऊ सुपर जायंट्स की टीम ने अभ्यास कर खूब पसीना बहाया। टीम के खिलाड़ियों ने कोच जस्टिन लेंगर और कप्तान ऋषभ पंत की मौजूदगी में गेंदबाजी और बल्लेबाजी का अभ्यास किया। इसके अलावा पंजाब के सिर्फ दो से तीन खिलाड़ियों ने ही बल्लेबाजी का अभ्यास किया। टीम के खिलाड़ी मिचेल मार्श ने सबसे पहले बल्लेबाजी का अभ्यास किया। उन्हें गेंदबाज आवेश खान और आयुष बदोनी सहित कई गेंदबाजों ने गेंदबाजी की। टीम के मेंटर जहीर खान ने भी कप्तान ऋषभ पंत के साथ पंजाब को हराने के लिए स्टेडियम की पूरी जानकारी दी। मिशेल मार्श के बाद कप्तान पंत और अन्य आलराउंडर ने बल्लेबाजी का अभ्यास किया।

कप्तान ने इस दौरान एचपीसीए के मुख्य पिच क्यूरेटर सुनील चौहान से पिच की जानकारी ली। वहीं, पंजाब किंग्स के कोच रिकी पोंटिंग की देखरेख में टीम के आलराउंडर एम स्टोइनिस ने बल्लेबाजी का अभ्यास किया। उनके साथ शशांक सिंह सहित टीम के पांच खिलाड़ियों ने मैदान में नेट प्रैक्टिस की। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम धर्मशाला में पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर सहित कई खिलाड़ी पहली बार आईपीएल मैच खेलेंगे। इससे पहले टीम के खिलाड़ियों ने धर्मशाला में किसी भी टीम से कोई भी आईपीएल मैच नहीं खेला है। लखनऊ सुपर जायंट्स की टीम भी धर्मशाला में पहली बार खेलते हुए नजर आएगी। पंजाब किंग्स की टीम से श्रेयस अय्यर बतौर कप्तान मैच खेलने उतरेंगे।

भारत को वर्ल्ड कप जिताने वाले क्रिकेटर पर लगा बैन, तो भड़क उठीं राजस्थान की राजकुमारी

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत के पूर्व क्रिकेटर एस श्रीसंत का विवादों से पुराना नाता रहा है. वह एक बार फिर सुर्खियों में आ गए हैं. दरअसल, केरल एसोसिएशन ने एस श्रीसंत पर तीन साल के लिए बैन कर दिया है. वो क्रिकेट से जुड़ा कोई भी काम नहीं कर सकेंगे. एस श्रीसंत के खिलाफ ये एक्शन केसीए की आलोचना करने और एसोसिएशन पर आरोप लगाने के चलते लिया गया है. इस मामले पर अब उनकी पत्नी भुवनेश्वरी कुमारी की प्रतिक्रिया सामने आई है. उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर करते हुए अपनी भड़ास निकाली है.

दरअसल, श्रीसंत ने चैंपियंस ट्रॉफी 2025 से पहले भारतीय क्रिकेटर संजू सैमसन के समर्थन में बड़ा बयान देते हुए केरल क्रिकेट एसोसिएशन का आलोचना की थी. तब सैमसन को केरल की विजय हजारे ट्रॉफी टीम से बाहर कर दिया गया था. इसके बाद उन्हें चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भी भारतीय टीम में जगह नहीं मिली थी. ऐसे में भारतीय टीम से संजू सैमसन के बाहर रहने को लेकर श्रीसंत ने केसीए पर निशाना साधा था. यहीं से इस विवाद की शुरुआत हुई थी. बता दें, श्रीसंत केरल प्रीमियर लीग की फ्रेंचाइजी कोल्लम एरीज के मालिक भी हैं.

केसीए ने श्रीसंत पर एक्शन लेते हुए कहा, 'विवादित टिप्पणी के बाद केसीए ने केरल प्रीमियर लीग की फ्रेंचाइजी कोल्लम एरीज के मालिक श्रीसंत समेत दूसरी टीमों, एलेप्पी टीम लीड कंटेंट क्रिएटर साई कृष्णन और एलेप्पी रिपल्स को कारण बताओ नोटिस जारी किया था. लेकिन श्रीसंत ने संतोषजनक जवाब नहीं दिया. साथ ही उन्होंने फ्रेंचाइजी के मालिक के तौर पर कॉन्ट्रैक्ट की शर्तों का उल्लंघन भी किया, जिसके बाद उन पर बैन लगाया था. एस श्रीसंत की पत्नी भुवनेश्वरी कुमारी ने इस घटना पर अब एक सोशल मीडिया पोस्ट शेयर किया है. जो जयपुर राजघराने की राजकुमारी हैं.

उन्होंने लिखा, 'कुछ क्रिकेट संघ वास्तव में खड़े होकर अभिनंदन के पात्र हैं. क्रिकेट के लिए नहीं, बल्कि नाटक, अहंकार प्रबंधन और ऐतिहासिक खोज में महारत हासिल करने के लिए. आप कुछ ऐसा कहते हैं जो उन्हें पसंद नहीं है- बूम! बैन, मानहानि और उनकी ट्रॉफी सूची से भी लंबी प्रेस रिलीज. इस दर पर, शायद उन्हें इसके बजाए एक अभिनय एकेडमी शुरू करनी चाहिए. अगला बड़ा निर्यात- क्रिकेट की राजनीति डेली सोप से मिलती है!' भुवनेश्वरी कुमारी का ये पोस्ट अब सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है.

श्रीसंत का विवादों से पुराना नाता

ऐसा पहली बार नहीं है जब श्रीसंत के खिलाफ कोई एक्शन लिया गया है. इससे पहले वह आईपीएल 2013 स्पॉट-फिक्सिंग में भी फंस चुके हैं. इस मामले में श्रीसंत की गिरफ्तारी भी हुई थी और फिर आजीवन बैन लगा दिया था. हालांकि, बाद में इस बैन को 7 साल का कर दिया था. इससे पहले साल 2009 में कथित तौर पर क्रिकेट फील्ड में अनुशासनहीनता को लेकर भी उन्हें कड़ी चेतावनी दी थी. वहीं, 2017 में एस श्रीसंत बेंगलुरु-दिल्ली फ्लाइट के दौरान फ्लाइट अटेंडेंट्स से भिड़ गए थे, तभी भी बड़ा विवाद देखने को मिला था.

इतने बैट तो कोहली के पास भी नहीं...

नीतीश राणा ने पकड़ी वैभव सूर्यवंशी की चतुराई

नई दिल्ली, एजेंसी। वैभव सूर्यवंशी ने 14 साल की उम्र में ही आईपीएल में शतक लगाकर इतिहास रच दिया है. इसके बाद से ही वो लगातार चर्चा में बने हुए हैं. इस बीच सूर्यवंशी अपनी टीम के सीनियर खिलाड़ी नीतीश राणा से बैट मांगते हुए दिखे हैं. वो राणा के पूछने पर अपने बैट की संख्या छुपाने की कोशिश करते हैं, ताकि किसी तरह उन्हें एक बैट मिल जाए.

लेकिन राणा उनकी चतुराई पकड़ लेते हैं. जैसे ही उन्हें सूर्यवंशी के पास मौजूद बल्लों की संख्या का पता चलता है, वो कहते हैं इतने बैट तो विराट कोहली के पास भी नहीं होंगे. बैट लेन-देन के दौरान दोनों के बीच हुई इस मजेदार बातचीत का वीडियो अब सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है. आईपीएल 2025 के प्लेऑफ की रेस से राजस्थान रॉयल्स की टीम अब बाहर हो चुकी है. अब रविवार को उसे कोलकाता नाइट राइडर्स का सामना करना है. इसी बीच फ्रेंचाइजी की सोशल मीडिया पर वैभव सूर्यवंशी और नीतीश राणा का एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें बैट को लेकर बात चल रही है. इसके कैप्शन में लिखा है 'एक बिहारी, सब पे भारी.' इस वीडियो में राणा कहते हैं, मैं 5 बैट देता हूं तुझे. अगर उसका काउंट 14 से ऊपर गया इसके जवाब में सूर्यवंशी कहते हैं, मुझे एक ही चाहिए. फिर राणा मजाक में कहते हैं, मेरा बैट है, मेरी मर्जी, मैं क्यों दूं? अब राणा 4 बैट देने के लिए तैयार होते हैं, लेकिन वैभव सिर्फ 1 बैट की मांग पर अड़े रहते हैं.

इंडिया वर्सेस पाक एशिया कप 2025:

पहलगाम हमले के बाद सुनील गावस्कर का बयान

...तो पाकिस्तान होगा एशिया कप से बाहर!

नई दिल्ली, एजेंसी। 22 अप्रैल को जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 26 पर्यटकों की जान चली गई थी. इस हमले के बाद देश में गम और गुस्से का माहौल है. आतंकियों और उसके आकाओं के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की मांग हो रही है. केंद्र सरकार भी एक्शन मोड में है और उसने पड़ोसी मुल्क (पाकिस्तान) के खिलाफ बड़े फैसले लिए हैं. पहलगाम हमले का असर भारत-पाकिस्तान के बीच क्रिकेट रिश्तों पर भी पड़ सकता है.

एशिया कप को लेकर गावस्कर का बड़ा बयान

भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड की तत्काल चिंता एशिया कप होगी जो सितंबर में भारत की मेजबानी में होने वाला है. अब इस एशिया कप को लेकर महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने बड़ा बयान दिया है. गावस्कर ने स्पष्ट रूप से कहा कि अगर ऐसी ही परिस्थितियां रहीं तो पाकिस्तान का एशिया कप में भाग लेना मुश्किल होगा. गावस्कर ने ये भी कहा कि भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव के चलते एशियन क्रिकेट काउंसिल आने वाले महीनों में भंग हो सकती है. सुनील गावस्कर ने इंटरव्यू में कहा, बीसीसीआई का रुख हमेशा से वही रहा है, जो भारत सरकार उससे करने को कहती है. मैं नहीं समझता कि एशिया कप के मामले में इसमें कोई बदलाव होगा. एशिया कप के इस सीजन के लिए भारत मेजबान है. यह इस बात पर निर्भर करता है कि क्या चीजें बिल्कुल बदली हैं, लेकिन नहीं बदलीं तो मैं पाकिस्तान को एशिया कप का हिस्सा बनते नहीं देख सकता. उन्होंने कहा, मुझे नहीं मालूम कि एशिया कप कैसे होगा.

हो सकता है कि एशियन क्रिकेट काउंसिल को भंग कर दिया जाए और तीन या चार देशों का टूर्नामेंट कराया जाए, जिसमें हांगकांग या यूएई को आमंत्रित किया जाए. लेकिन मुझे लगता है कि यह इस बात पर निर्भर करेगा कि अगले कुछ महीनों में क्या होता है. सुनील गावस्कर कहते हैं, ऐसा हो सकता है कि भारत ही एसीसी से हटने का फैसला कर ले. हम कह सकते हैं कि हम बांग्लादेश या श्रीलंका में मल्टी नेशन टूर्नामेंट आयोजित करने जा रहे हैं. अगर दो देश एक-दूसरे के खिलाफ लड़ रहे हैं, तो एक-दूसरे के साथ खेलना थोड़ा मुश्किल है. बीसीसीआई के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने इस बात की पुष्टि की थी कि बोर्ड भारत सरकार के फैसले का पालन करेगा. यदि एशिया कप में पाकिस्तान के भाग लेने पर भी बात बनती है, तो ये टूर्नामेंट पूरी तरह से न्यूट्रल वेन्यू पर खेला जाएगा, जिसमें दुबई और श्रीलंका संभावित स्थल हैं.

पिछली बार भारत ने जीता था खिताब

एशिया कप का आखिरी संस्करण साल 2023 में वनडे वर्ल्ड कप से पहले हाइब्रिड मॉडल के तहत खेला गया था. इसमें भारत और पाकिस्तान को एक ही ग्रुप में रखा गया था और दोनों टीमें मेगा इवेंट में दो बार भिड़ीं, एक बार लीग चरण में और फिर सुपर 4 में. हालांकि दूसरा मुकाबला बारिश की भेंट चढ़ गया और संयोग से पाकिस्तान फाइनल में पहुंचने में असफल रहा.

तेलंगाना के राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने मशीनरी ले जाने वाले वाहनों को हरी झंडी दिखाई

हैदराबाद (एजेंसी),

विवेकाधीन अनुदान से वित्त पोषित आदिवासी गांवों में पर्यावरण के अनुकूल पत्ती की प्लेट और कप बनाने के लिए मशीनरी ले जाने वाले वाहनों को हरी झंडी दिखाई। यह कार्यक्रम हैदराबाद के राजभवन में हुआ और इसका उद्देश्य विशेष रूप से कमजोर आदिवासी समूहों (PvTGs) की आजीविका का समर्थन करना है।झंडी दिखाने के बाद, राज्यपाल ने P v T G समुदायों के युवा सदस्यों के साथ बातचीत की, जिनमें प्रकृति गाइड और पत्ती प्लेट उत्पादन में प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले लोग भी शामिल थे।जंगल से गहरा जुड़ाव रखने वाले मुख्य रूप से चेंचू समुदाय के 32 स्थानीय युवाओं के एक समूह को बेंगलुरु के द नेचुरलिस्ट स्कूल में प्रकृति गाइड के रूप में प्रशिक्षित किया गया। नागरकुरनूल जिले के लिए माननीय राज्यपाल से ₹15 लाख के समर्थन के साथ, इन युवाओं को नौकरी खोजने में मदद करने के लिए कार्यक्रम शुरू किया गया, जबकि पर्यटकों को नल्लामाला जंगल की संस्कृति और जैव विविधता का वास्तविक स्वाद दिया गया। ध्वजारोहण के बाद राज्यपाल ने निजी आदिवासी समुदायों के युवा सदस्यों से बातचीत की, जिनमें प्रकृति गाइड और लीफ प्लेट उत्पादन का प्रशिक्षण ले रहे लोग भी शामिल थे। अपने संबोधन में राज्यपाल ने आदिवासी समुदायों के सांस्कृतिक महत्व पर प्रकाश डाला और उन्हें प्रकृति का मूल संरक्षक बताया। उन्होंने केंद्रित विकास कार्यक्रमों के माध्यम से उनके जीवन को बेहतर बनाने की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने आगे कहा कि आदिवासी जाति, पंथ या धर्म की सीमाओं से परे रहते हैं। उनका जीवन जीने का तरीका प्रकृति से गहराई से जुड़ा हुआ है और सदियों पुरानी परंपराओं पर आधारित है। सादगी और न्यूनतम जरूरतों के साथ जीवन जीते हुए, वे भौतिक संपदा में नहीं बल्कि प्राकृतिक दुनिया के साथ अपने घनिष्ठ संबंध में संतुष्टि पाते हैं। आदिवासी युवाओं की ऊर्जा की प्रशंसा करते हुए राज्यपाल ने कहा, "ये एहसान नहीं हैं, ये आपके अधिकार हैं। यह आपका समय है। बदावथ संतोष, कलेक्टर, नगरकुरनूल, रोहित गोपीदी, आईएफएस परियोजना अधिकारी, आईटीडीए (चेंचस); डॉ. ए. रामुलु, सीईओ, भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी (तेलंगाना); और लीफ प्लेट टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड, राजभवन, और नगरकुरनूल, भद्राद्री कोठागुडेम और आदिलाबाद की रेड क्रॉस जिला इकाइयों के प्रतिनिधियों ने इस कार्यक्रम में प्रमुख अधिकारियों ने भाग लिया । यह पहल तेलंगाना में आदिवासी समुदायों के सतत विकास, आजीविका संवर्धन और सशक्तिकरण की दिशा में एक मजबूत कदम है।

राधे राधे ग्रुप, भाग्यनगर द्वारा नित्य अन्नप्रसाद (नाश्ता) सेवा

हैदराबाद (एजेंसी),

वैशाख मास, शुक्ल पक्ष, षष्ठी तिथी पर राधे राधे ग्रुप, भाग्यनगर द्वारा नित्य अन्नप्रसाद (नाश्ता) सेवा सुबह 7.01 बजे पब्लिक गार्डन, पिलर-ए1265, नामपल्ली की गई।

इस अवसर पर राधे राधे ग्रुप केसतीश गुप्ता आशा अग्रवाल रामप्रकाश अग्रवाल महेश अग्रवाल संजय गोयल रोहित अग्रवाल सुमन अग्रवाल महेश गुप्ता सुशील गुप्ता अरविन्द गुप्ता उमा रानी भगतराम गोयल ई-जगन (चंपा पेट) गोपाल गोयल श्याम सुंदर अग्रवाल संजय अग्रवाल सविता अग्रवाल प्रीतिका अग्रवाल मायारामजी अग्रवाल और अन्य सदस्य उपस्थित थे।

निजामाबाद में राजस्थानी ब्राह्मण समाज ने मनाई परशुराम जयंती

निजामाबाद (एजेंसी),

गुरूबाबादी रोड स्थित अक्षरधाम स्कूल में राजस्थानी ब्राह्मण समाज एवं राजस्थानी ब्राम्हण युवा मंच के तत्वावधान भगवान परशुराम जी की जयंती मनाई गई इस अवसर पर मुख्य अतिथि दामोदर जी पारीक ने भगवान परशुराम माता गायत्री की पूजा अर्चना आरती की तत्पश्चात कीतत्पश्चात सभा का आयोजन किया गया सभापति ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष अशोक दायमा ने स्वागत भाषण दिया परशुराम जयंती की सबको बधाई शुभकामनाएं दे कर आए हुवे अतिथियों को धन्यवाद दिया तत्पश्चात ब्राह्मण समाज मंत्री जुगल किशोर पांडे ने अपने संबोधन में परशुराम जयंती की शुभकामनाएं दी वार्षिक विवरण प्रस्तुत किया ,ब्राह्मण युवा मंच संचालक किशोर तिवारी ने अपने संबोधन में परशुराम जी के आदर्शो पर युवा चले तिलक लगाए चोटी रखे कहा मुख्य अतिथि दामोदर पारीक ने अपने संबोधन में परशुराम जी के अवतार के बारे में बताया परशुराम जी के आदर्शो पर चले कहा मुख्यातिथि का सम्मान स्वागत शॉल पुष्प माला स्मृति चिन्ह दे कर किया अध्यक्ष अशोक दायमा मंत्री जुगल पांडे एवं कमेटी ने कियाइस अवसर संरक्षक सीताराम पांडे,घनश्याम व्यास,श्रीनिवास पारीक ,चंद्रप्रकाश मोदानी,दामोदर जोशी,संजय पुरोहित ने सभा को संबोधित किया अपने विचार रखे इस कार्यक्रम में ब्राह्मण समाज अध्यक्ष अशोक दायमा,उपाध्यक्ष सत्यनारायण नागला , मंत्री जुगल किशोर पांडे, कोषाध्यक्ष राजेश पुरोहित , कार्यकारिणी सदस्य प्रवीण व्यास ,महावीर दायमा,सुनील मुंडेल, श्याम जोशी,संजय पुरोहित ,गोपाल व्यास,राजेश व्यास, संरक्षक सीताराम पांडे घनश्याम व्यासब्राह्मण युवा मंच संचालक किशोर तिवारी,ब्राह्मण युवा मंच अध्यक्ष रोशन बोहरा ,उपाध्यक्ष पवन उपाध्याय,मंत्री उदय उपाध्याय ,उप मंत्री सी ए शुभम उपाध्याय,कोषाध्यक्ष राम जीवन,कार्यकारिणी सदस्य ,नितिन दायमा ,दिनेश पांडे,तरुण उपाध्याय,विकास व्यास ,मनमोहन उपाध्याय ,नितेश जोशी, मिखिल शर्मा,इस कार्यक्रम के संयोजक सुरेश दायमा,रमेश दायमा थे।कार्यक्रम का सफल मच संचालन सतीश व्यास ने किया युवा मंच मंत्री उदय उपाध्याय ने आभार प्रदर्शन किया।

सीरवी समाज नई वडेर धनला की आमसभा संपन्न

पाली (एजेंसी),

सीरवी समाज नई वडेर , धनला की आम सभा नव निर्मित भवन में सम्पन्न हुई जिसमें नई वडेर के अध्यक्ष सीए चुन्नीलाल लचेटा , सचिव सजाराम गहलोत , कोषाध्यक्ष नगाराम सोलंकी, पंचगण सजाराम, चेनाराम , दुदाराम, ढलाराम, वरदाराम, दीपाराम , मांगीलाल जमादारी , भानाराम , छोगालाल , उम्मेदराम , लखाराम , किसनलाल आदि बहुत से महानुभाव की उपस्थिति में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि समाज के भवन या सदस्य के घर पर किसी प्रकार के प्रसंग या उत्सव पर अफ़ीम या मादक पदार्थ का उपयोग नहीं होगा । इस पर पुर्णरूपेण प्रतिबंध लगाया गया है । जो भी सदस्य अगर उपयोग में लायेगा या मनुहार करेगा तो उस पर रूपए एक लाख एक का आर्थिक दंड होगा जो कि समाज के विकास कार्यों में लगाया जायगा । गाँव के बाहर भी अगर दुसरे मनुहार करते है तो , सदस्यों द्वारा इसको अमल में नहीं लाया जायगा , हाथ जोड़कर माफ़ी माँग कर प्रतिबंध की गुज़ारिश करेंगे ।

समाज के सार्वजनिक काम पर सभी लोग साफ़ा/ पगड़ी पहनकर कर आने का संकल्प लिया जिस से समाज की प्राचीन संस्कृति को क़ायम रख सके । सभी महानुभावों ने साफ़ा पहनकर आम सभा में भाग लिया जिस से माहौल बहुत सुन्दर व अनुशासित रहा । सभा शुरू होने पर माँ आईजी की सामुहिक आरती की गई व अंत में अध्यक्ष महोदय द्वारा धन्यवाद प्रस्ताव पास किया गया ।

आर.बी.वी.आर.आर.को भव्य श्रद्धांजलि अर्पित

करीमनगर (एजेंसी),

कोतवाल राजा बहादुर वेंकट राम रेड्डी की 72वीं पुण्यतिथि के अवसर पर एस.आर.आर. डिग्री कॉलेज चौक पर स्थित राजा बहादुर वेंकट राम रेड्डी की प्रतिमा को भव्य श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

इसी तरह सीतारामपुर स्थित आर.बी.वी.आर.आर. बी.एड. एजुकेशन सोसाइटी प्रांगण में भी राजा बहादुर वेंकट राम रेड्डी की प्रतिमा पर पुष्पमालाएं अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई। कार्यक्रम में रेड क्रॉस सुसाइटी अध्यक्ष पेंड्याला केशव रेड्डी, सचिव उट्कूरी राधाकृष्ण रेड्डी, रेड्डी संघ के प्रतिनिधि न्यालकोंडा प्रसन्ना रेड्डी, रेकुलपल्ली रविंदर रेड्डी, आदामा साईकृष्ण रेड्डी, वोंटेला करुणाकर रेड्डी, रेड्डी संघ के जिला कार्यकारिणी सदस्यगण और रेड्डी संघ के समर्थक शामिल हुए।

संविधान विरोधी वक्फ़ संशोधन अधिनियम 2025 को रद्द करने की माँग को लेकर विरोध रैली

करीमनगर (एजेंसी),

ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड, करीमनगर के तत्वावधान में शनिवार को सुबह तेलंगाना चौक से जिला कलेक्टर कार्यालय तक एक विशाल रैली निकाली गई। रैली के तत्पश्चात एक ज्ञापन जिला कलेक्टर को सौंपा गया। रैली में बड़ी संख्या में मुस्लिम अल्पसंख्यक, प्रगतिशील विचारक, बुद्धिजीवी, लोकतंत्र समर्थक और अंबेडकरवादी शामिल हुए। हाल ही में केंद्र सरकार द्वारा पारित वक्फ़ संशोधन अधिनियम 2025 भारतीय संविधान के अनुच्छेद 14 (समानता का अधिकार), अनुच्छेद 15 (धार्मिक आधार पर भेदभाव का निषेध), अनुच्छेद 29 (संस्कृतिक अधिकार), अनुच्छेद 30 (अल्पसंख्यकों को शैक्षिक संस्थाएँ स्थापित करने का अधिकार), अनुच्छेद 30 (ए) (संपत्ति का अधिकार) सहित कुल 8 अनुच्छेदों का उल्लंघन करता है। इसी के खिलाफ करीमनगर में ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के तत्वावधान में विरोध रैली निकाली गई।तेलंगाना चौक पर रैली से पहले आयोजित सभा में वक्ताओं ने कहा कि जब तक वक्फ़ संशोधन अधिनियम 2025 को रद्द नहीं किया जाता, तब तक बोर्ड इसका विरोध करता रहेगा।

उन्होंने कहा कि पूर्व वक्फ़ कानून में कोई भी अपनी संपत्ति को वक्फ़ (धार्मिक, सेवा कार्यों हेतु दान) कर सकता था, लेकिन नए कानून के तहत, दान करने वाले को कम से कम 5 साल तक इस्लाम का पालन करने की शर्त रखी गई है। इस प्रकार की शर्तें अन्य किसी भी धर्म के धार्मिक सेवा कार्यों के दान के लिए नहीं हैं, यह केवल मुस्लिम समुदाय पर ही थोप दी गई है। उन्होंने कहा कि अन्य सभी धर्मों की धार्मिक संस्थाओं के बोर्ड में उनके समुदाय के लोग होते हैं, लेकिन वक्फ़ बोर्ड में दो गैर-मुस्लिम सदस्यों को अनिवार्य रूप से शामिल करने का संशोधन किया गया है। यह दोनों संशोधन संविधान के अनुच्छेद 14 (समानता का अधिकार) और अनुच्छेद 15 (धार्मिक भेदभाव का निषेध) का उल्लंघन करते हैं। उन्होंने कहा कि अनुच्छेद 30 अल्पसंख्यकों को अपनी संस्कृति, भाषा, और धर्म की रक्षा हेतु शिक्षा के माध्यम से संस्थाएँ चलाने का अधिकार देता है (उदाहरण: मदरसे, मिशनरी स्कूल्स, गुरुकुल आदि)।

नए संशोधन में गैर-मुस्लिमों को वक्फ़ बोर्ड में शामिल करने से हस्तक्षेप की संभावना बनती है, जिससे अल्पसंख्यकों के इस अधिकार का उल्लंघन होता है। उन्होंने कहा कि पहले के कानून में "वक्फ़ बाय यूजर" नामक वर्ग था, जिससे दस्तावेज़ न होने पर भी ऐतिहासिक साक्ष्यों के आधार पर किसी संस्था को वक्फ़ घोषित किया जा सकता था। इस वर्ग को हटाने से अब ऐसे संस्थान सरकार के अधीन चले जाने की संभावना है, जो अनुच्छेद 30 (1A) का उल्लंघन है। उन्होंने कहा कि वक्फ़ की संपत्ति एक बार वक्फ़ घोषित हो जाने पर स्थायी रूप से वक्फ़ रहती है और उसका स्वरूप बदला नहीं जा सकता, सर्वोचचम न्यायालय ने ऐसा स्पष्ट किया है। 1995 के वक्फ़ अधिनियम की धारा 107, वक्फ़ संपत्तियों पर सीमांकन अधिनियम 1963 को लागू नहीं होने देती थी, जिससे वक्फ़ बोर्ड 12 साल से अधिक समय के बाद भी अतिक्रमण को वापस ले सकता था।

नया कानून इस धारा को हटा रहा है, जिससे पुरानी अतिक्रमण की गई वक्फ़ संपत्तियाँ अतिक्रमणकारियों के हाथों में जा सकती हैं। उन्होंने कहा कि वक्फ़ अधिनियम की धारा 40 को भी रद्द कर दिया गया है, जो वक्फ़ संपत्ति पर अतिक्रमण के मामले में पुराने साक्ष्यों के आधार पर उसे वापस लेने का अधिकार देती थी। इसके हटने से वक्फ़ संपत्तियाँ अतिक्रमणकारियों के पास रह जाएँगी। उन्होंने कहा कि वक्फ़ सर्वे कमिश्नर की व्यवस्था को भी समाप्त कर दिया गया है। अब इसका अधिकार राजस्व अधिकारियों को दिया गया है, जिससे सरकार और वक्फ़ बोर्ड के बीच संपत्ति विवाद में राजस्व अधिकारी सरकार के पक्ष में कार्य कर सकते हैं। इससे राजनीतिक हस्तक्षेप की संभावना भी बढ़ती है। उन्होंने आगे कहा कि वक्फ़ ट्रिब्यूनल और वक्फ़ बोर्ड की शक्तियों को भी सीमित कर दिया गया है, जिससे ये केवल नाम मात्र की संस्थाएँ रह जाएँगी।

उन्होंने कहा कि संशोधित कानून में वक्फ़ दान पर रोक, धार्मिक भेदभाव, धार्मिक भावना को चोट पहुँचाना, वक्फ़ संपत्तियों की लूट को वैध बनाना और भविष्य में अवैध कब्जों को बढ़ावा देने जैसे खतरनाक प्रावधान शामिल हैं। उन्होंने कहा कि इसीलिए इस अधिनियम का कड़ा विरोध करते हैं। जब तक मुस्लिम अल्पसंख्यकों के अधिकारों को छीनने वाले इस कानून को रद्द नहीं किया जाता, तब तक ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड संघर्ष जारी रखेगा। विरोध रैली में भाग लेने वाले प्रमुख लोगों में संयोजक मुफ़्ती मोहम्मद यूनुस कासमी, सह संयोजक हाफिज रिज़वान, अधिवक्ता मोहम्मद जमीलुद्दीन, हाफिज मोहम्मद् वसीमुद्दीन, मोहम्मद मुनिबुद्दीन, मौलाना खाजा कलीमुद्दीन, मौलाना खाजा अलीमुद्दीन, मुफ़्ती गयास मोहियुद्दीन, मोहम्मद कैरुद्दीन, मोहम्मद हाफिज़ उल्ला, मौलाना शाह मोहम्मद खादरी, सोएब अहमद खान, मुफ़्ती सादिक अली, उमर हाफ़िज यूसुफ़, रब्बानी, बी वेंकट मल्लय्या, जी राजय्या, जयराज, प्रशांत, क्रिस्टोफर, सरदार बिशन सिंह, अब्बास समी, एमडी ताजुद्दीन, समद नवाब, मजहर मोहिउद्दीन, जियाउल्लाह खान, यूसुफ, कमरुद्दीन, एमए मतीन, अब्दुल जमील्, जी सतयम्, मंसूर तवक्कली, साजिद, डॉ. अनवर, डॉ. मुश्ताक, लाइक, पूर्व पार्षद अखिल फेरोज़, अली बाबा, शरफुद्दीन, अतीना और बड़ी संख्या में युवा शामिल हुए।

तेलंगणा/ महाराष्ट्र /आंध्र प्रदेश /ओरिसा /कर्नाटक

Printed,Published,Edited & Owned by Sandesh B. Bharadwaj Printed at RK Art Printers, AP HB Shop , Vidhya Nagar, Hyderabad (T.S.) 504001.Published from HO No 2-2-1103/5/3A,Himyathnagar, Hyderabad (T.S.) RNI APHIN/2009/29553 500027. E-mail: dailyhindihyd@gmail.com, Website- hindidaily.net